सत्यमेव जयते

असंशोधित

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

27 फरवरी, 2020

षोडश विधान-सभा 27 फरवरी,2020 ई0

------------- वृहस्पतिवार,तिथि ---------------

पंचदश सत्र 08 फाल्गुन,1941(शक)

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय- 11 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष: सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है। प्रश्नोत्तर काल ।
अल्पसूचित प्रश्न लिये जायेंगे ।

प्रश्नोत्तर काल

(व्यवधान)

अध्यक्ष: क्या हो गया आपको ?

श्री महबूब आलम: दिल्ली जल रहा है..

अध्यक्ष: आप पटना में हैं । क्या आपका मन है, दिल्ली जल रहा है तो यहां भी जलाईयेगा?

(इस बीच सी0पी0आई0(माले) के माननीय सदस्य सदन के वेल में आ गये)

(व्यवधान जारी)

अब आप महबूब जी, दिल्ली जल रहा है तो उसके जलने की ताप, उसके जलने की गरमी, उसके जलने की धाह से इस सदन के समय को क्यों बर्बाद कर रहे हैं नम्बर 1 और नम्बर 2, अब कपिल मिश्रा को गिरफ्तार करने के लिए आप बिहार सरकार से मांग कर रहे हैं । आप समझिये, कोई बात कहते हैं तो जरा सोच करके कि इसका क्या अर्थ होगा, कहां किससे क्या मांग कर रहे हैं।

(व्यवधान जारी)

आप जान लीजिये, बिहार की जनता ने बहुत ही सोच समझ कर आपके दल को जो तीन देवता होते हैं-ब्रह्मा, विष्णु और महेश, तीनों के रूप में भेजा है इसलिए आप तीनों अपनी जगह पर चले जाईए।

(व्यवधान)

ठीक है, आप सीट पर जाईए न ? आप तो बहुत समझदार हैं । कल भी आप समझदारी का परिचय दिये थे । महबूब जी मान ही जाते हैं, सुदामा जी चलिये जगह पर, चलिये ।

(व्यवधान)

अब चलिये, भोला जी का उत्तर होने दीजिये न, भोला जी का उत्तर होने दीजिये ।

(व्यवधान)

वहां कुछ भी हो, बिहार विधान-सभा को बचा करके रखिये । आप अपनी जगह पर जाईए ।

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, रूस में वर्षा होती है और छाता यहां लगा रहे हैं । महोदय, यही हालत रहा तो अगली बार ये तीन भी नहीं आयेंगे । बिहार के सवाल को उठाईए और नियमानुकूल सवाल को उठाईये और अनर्गल सवाल को हाउस में मत लाईये, छाता यहां मत लगाईए । यहां वर्षा हो तो यहां छाता लगाईए ।

(इस अवसर पर सी0पी0आई(माले) के माननीय सदस्य अपनी अपनी सीट पर गये।)

अल्पसूचित प्रश्न संख्या-5 (श्री भोला यादव)

श्री राम नारायण मंडल,मंत्री: (1) उत्तर अस्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर अस्वीकारात्मक है। समाहर्त्ता, दरभंगा से प्राप्त प्रतिवेदनानुसार राजस्व विभाग के पत्रांक 3917(रा0) दिनांक 17-1-2020 के आलोक में जल जीवन हरियाली अभियान के तहत तालाबों को अतिक्रमण मुक्त किये जाने की कार्रवाई से प्रभावित महादलित एवं सुयोग्य श्रेणी के वास भूमिरहित परिवारों अथवा व्यक्तियों को अभियान बसेरा कार्यक्रम के तहत 5 डिसमिल भूमि बंदोबस्ती की कार्रवाई की जा रही है । उपरोक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है ।

श्री भोला यादव: महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि ये जो कह रह हैं 5 डिसमिल जमीन की व्यवस्था कर दी गयी है । घर उजाड़ दिया है, एक तरफ वर्षा हो रही है एक तरफ धूप हो रहा है । जाड़े में लोग ठिठुरे हैं और कहा जा रहा है कि व्यवस्था की जा रही है, हेतु हेतु मद्भूत माननीय मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। ये बतावें उजाड़ने से पहले उनलोगों की व्यवस्था क्यों नहीं हुई, इसके बारे में सरकार का क्या वक्तव्य है।

श्री राम नारायण मंडल,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है बाद में उन्होंने सुधार किया कि की जा रही है जो मैंने कहा है । अतिक्रमण मुक्त करवाई जा रही है, प्रारम्भ हो गया है और मैंने कहा है सरकार की घोषणा है सरकार चाहती है सरकार करने वाली है कि जो अतिक्रमण किया गया है जिनके द्वारा, अन्य जगह कहीं बासगीत उनको जमीन नहीं, घर नहीं है तो वैसे लोगों के लिए व्यवस्था कराई जा रही है, निश्चित रूप से ससमय उनको जगह उपलब्ध करायी जायेगी।

श्री भोला यादव: ये कराई जायेगी में जो बात कर रहे हैं मंत्री महोदय, हम ये कहना चाह रहे हैं जब उजाड़ने की कार्रवाई आप किये पहले नोटिस करते उनलोगों को रहने का

व्यवस्था करते ऐसे समय में जो बारिश हुई है, लोग बीमार पड़ रहे हैं और मंत्री जी कह रहे हैं कि करायी जा ही है, यह कोई जवाब हुआ !

श्री राम नारायण मंडल,मंत्री: अध्यक्ष महोदय,माननीय सदस्य से मैं आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूँ, एक तो पहले सरकार की भूमि पर आप अतिक्रमित करके रह रहे हैं और सरकार को धन्यवाद आपको देना चाहिए कि सरकार वैसे लोगों को बसाने की दिशा में कार्रवाई कर रही है इसीलिए आप पूर्ण विश्वास रखिये कि किसी को अतिक्रमित जो लोग होंगे, उनको निश्चित रूप से जमीन दिलायी जायेगी।

श्री भोला यादव: महोदय, माननीय मंत्री जी कह रहे हैं जो कि कृपा कर रहे हैं । ये लोक लुभावन सरकार है, सरकार गरीबों के लिए है और गरीब को जब जगह नहीं मिला तो जहां गैरमजरूआ जमीन था वहां वह घर बना लिये । अब ये कह रहे हैं जो कि कृपा कर रही है सरकार, ये सरकार की कृपा नहीं है सरकार की यह योजना होना चाहिए कि जिस गरीब को भूमि नहीं है, जिसके पास आवास नहीं है उसके लिए पहले व्यवस्था करें।

श्री रामनारायण मंडल,मंत्री: मैंने कृपा की बात नहीं कही है।

श्री भोला यादव: आप तो बोले हैं।

श्री राम नारायण मंडल,मंत्री: लगता है माननीय सदस्य मेरी बात को गंभीरतापूर्वक नहीं सुन रहे हैं। विनम्रतापूर्वक आदरणीय भोला बाबू मेरी बात को सुनिये । निश्चित रूप से अगर गरीबों के कल्याण की बात आप करते हैं तो सरकार उससे आगे बढ़कर के इस गरीबों के कल्याण की बात सोच रही है, कर रही है, आगे करने वाली भी है और ये कल्याणकारी राज्य है, यह मैं आपको बताना चाहता हूँ, निश्चित रूप से इस पर कार्रवाई की जायेगी, कार्रवाई की जा रही है।

श्री भोला यादव: महोदय,एक सप्लीमेंट्री मेरा है । अभी तक कहां-कहां किन-किन लोगों को बसाने के लिए कार्रवाई की गयी ? दरभंगा का दे न दें डिटेल, माननीय मंत्रीजी।

अध्यक्ष: अभी कहां से दे पायेंगे ।

श्री भोला यादव: दरभंगा का ही दे न दें, महोदय।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी: महोदय,मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जल जीवन हरियाली योजना को पूर्णत: सफल बनाने की दिशा में सरकार जो कार्रवाई कर रही है तो क्या जो जिला मुख्यालय है, जिला मुख्यालय में कमिश्नरी भी है, जिला भी है तो जहां तहां बड़े-बड़े लोगों ने पोखरा, नाला भरकर अट्टालिका बना ली, उसमें कितना अबतक अतिक्रमण हटाया गया है, ये बतायें ?

श्री राम नारायण मंडल,मंत्री: अध्यक्ष महोदय,जो माननीय सदस्य भोला बाबू ने प्रश्न किया था उसका उत्तर मैंने दिया है लेकिन अब माननीय सप्लीमेंट्री पूछ रहे हैं सिद्दिकी साहब

तो मैं उनको विश्वास दिलाना चाहता हूँ, जो अतिक्रमण जिनके द्वारा भूमि किया गया है वह चाहे अमीर हो, गरीब हो, बड़ा हो छोटा हो, सबके साथ यह सरकार एक ही व्यवहार रखने वाली है । यह पूर्ण विश्वास सिद्दिकी साहब आपको अपने मन में और आपको मानना चाहिए । ये सरकार कोई भेद-भाव करने वाली सरकार नहीं है बिल्कुल एकरूपता रखेगी । आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ और जो अतिक्रमण मुक्त कराया जायेगा, वैसे व्यक्तियों को जिनको घर नहीं है..

(व्यवधान)

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी: महोदय,मैंने बहुत स्पष्ट पूछा है आपसे कि तालाब उड़ाही के नाम तो गरीबों को उजाड़ा जा रहा है, पर तालाब का अतिक्रमण कर के मकान बड़े बड़े बना लेने वाले लोगों पर क्या कार्रवाई अबतक की गयी है?

श्री नंद किशोर यादव,मंत्री: महोदय सिद्दकी साहब पटना में अधिकांश रहते हैं, क्षेत्र भी जाते हैं। मेरी बात सुन लीजये न, पूरी बात सुनिये न, आपके प्रश्न का जवाब दे रहा हूँ और महोदय, मैं जानता हूँ कि प्रतिदिन अखबार भी पढ़ते है और खुद इन्होंने अखबार के पन्नों में देखा होगा कि पटना के अन्दर नाले के ऊपर जिन लोगों ने पक्के मकान बनाये थे, कई तल्ले के मकान थे उन सबको जमींदोज कर दिया बिहार की सरकार ने । बिहार की सरकार किसी भी अतिक्रमणकारियों को नहीं अतिक्रमण करने देगी । हमने जब निर्णय लिया है, चाहे वह बड़ा हो या छोटा हो, हम किसी का घर तोड़ेंगे अगर वह अतिक्रमण करेगा । लेकिन जो गरीब आदमी है हम उस गरीब आदमी को बसाने की भी व्यवस्था करेंगे, ये दोनों की व्यवस्था बिहार की सरकार ने की है महोदय, प्रमाण है इसका।

टर्न-2/मधुप-हेमंत/27.02.2020

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी : महोदय मैं एक सौ उदाहरण दूँगा दरभंगा जिला का, जिस तालाब को अतिक्रमण करके अट्टालिका बनाई गई हैं । दरभंगा जिला के हेड क्वाटर में कोई अभियान नहीं चलाया गया है ।

श्री नन्द किशोर यादव, मंत्री : महोदय, मैं इनका स्वागत करता हूँ, ये दे दें लिखकर, हम कार्रवाई करेंगे ।

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, सदन अवगत है कि इसी सदन में माननीय मुख्यमंत्री ने स्वयं इस बात की घोषणा की है कि अतिक्रमण मुक्त करने के क्रम में जिन जल-स्त्रोत, तालाब या जो भी नाले हैं, उसपर जो अतिक्रमण है, उसको हम हटायेंगे लेकिन उसके साथ उन्होंने परसों अपने वक्तव्य में भी कहा है कि उसमें जो गरीब, भूमिहीन

या उस किस्म के लोग हैं, उनको हटाने से पहले उनके पुनर्वास की भी व्यवस्था कर ली जायेगी । यह स्पष्ट मुख्यमंत्री के द्वारा सदन में घोषित सरकार की नीति है ।

स्वाभाविक रूप से सरकार भी लाभान्वित होगी, अगर माननीय सदस्यों के इलाके में या जानकारी में कोई ऐसी सूचना है, या तो जहॉ अतिक्रमण है वह खाली नहीं हो रहा है नम्बर एक, या फिर अगर कहीं गरीबों को उजाड़ा गया है जिनको पुनर्वासित नहीं किया गया है, अगर इन दो प्रकार की सूचनाओं में किसी प्रकार की सूचना अगर कोई विशेष सूचना माननीय सदस्य के पास हो, किन्हीं माननीय सदस्य के पास, तो वे सरकार को दे दें, सरकार को निश्चित रूप से कार्रवाई करनी चाहिए ।

श्री ललित कुमार यादव, अब आप अपना अगला प्रश्न पूछिए ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, इसमें बस एक पूरक । महोदय, माननीय भोला जी ने और सिद्दिकी साहब ने दो बात की लेकिन मंत्री जी का एक ही जवाब है कि किया जायेगा । मुख्यमंत्री जी भी बोले हैं कि उसकी वैकल्पिक व्यवस्था करके हम खाली करायेंगे । अध्यक्ष महोदय, हमलोग पूरे जवाब से संतुष्ट नहीं हैं, सदन भी संतुष्ट नहीं है । अध्यक्ष महोदय, हम अनुरोध करेंगे कि इस प्रश्न को स्थगित कर दिया जाय.....

अध्यक्ष : काहे के लिए स्थगित कर दिया जाय ?

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, जवाब संतोषप्रद नहीं है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब इसमें सरकार का जवाब है और आसन की तरफ से भी नियमन हो चुका कि आप पहले सूचना तो दीजिए कि कहॉ नहीं हुआ है ।

श्री ललित कुमार यादव : हम बता देते हैं महोदय ।

अध्यक्ष : तो दीजिए न लिखकर । लिखकर दीजिए ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, सरकार है और सरकार को यह बताना चाहिए....

अध्यक्ष : ललित जी, अब अल्प-सूचित प्रश्न सं0-6 पूछिए ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, एक प्रश्न....

अध्यक्ष : प्रश्न सं0-6 पूछिए नहीं तो हम आगे बढ़ेंगे ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, सदन में हमलोग मूकदर्शक नहीं बने रहेंगे । यह राज्य की समस्या है, गरीब लोगों को उजाड़ा जा रहा है...

श्री भाई वीरेन्द्र : महोदय, सरकार द्वारा लिए गए निर्णय का हवाला दिया गया, केन्द्र सरकार ने भी घोषणा किया था....

अध्यक्ष : केन्द्र सरकार ? हम राज्य सरकार की बात कह रहे हैं ।

श्री भाई वीरेन्द्र : महोदय, यह सरकार जो घोषणा करती है उसको नहीं करेगी....

अध्यक्ष : करेगी ।

श्री भाई वीरेन्द्र : उजाड़ने के पहले बसाने की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

अध्यक्ष : वही तो कह रहे हैं । आप सूचना दीजिए न !

श्री ललित कुमार यादव : महोदय...

अध्यक्ष : ललित जी, अगला सवाल पूछिए न !

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, प्रश्न इतना गम्भीर है, गरीब को उजाड़ा जा रहा है....

अध्यक्ष : माननीय मंत्री कृषि विभाग ।

अल्प-सूचित प्रश्न सं0-6 (श्री ललित कुमार यादव)

डॉ0 प्रेम कुमार, मंत्री : महोदय, 1- अस्वीकारात्मक है । महोदय, अभी नई व्यवस्था बनाई गई है कृषि विभाग के द्वारा । पहले किसानों को लगभग छः-छः महीने तक डीजल अनुदान की राशि नहीं मिल पाती थी तो हमलोगों ने 2018 में डीजल अनुदान वितरण कार्यक्रम में तेजी लाने एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु निम्न निर्णय लिया है : डिजिटल कम्प्यूटराइज्ड कैश-मेमो, वाउचर का निर्देश दिया गया । डीजल वाउचर में पेट्रोल पम्प द्वारा किसान का निबंधन संख्या उल्लेख करने का निर्देश दिया गया । आवेदक के द्वारा आवेदन के साथ वाउचर लेने के पूर्व संबंधित किसान के द्वारा वाउचर के उपर किसान का हस्ताक्षर एवं पूरा नाम अंकित करना । हस्ताक्षर नहीं कर सकने की स्थिति में कृषि समन्वयकों द्वारा स्व-सत्यापित अंगूठे का निशान आवश्यक किया गया । अलग-अलग सिंचाई के लिए किसान द्वारा अलग-अलग यथासंभव डीजल क्रय के सात दिन के अंदर आवेदन करने का प्रावधान किया गया। जिन क्षेत्रों में अधिक वर्षा हुई या नहर-आहर प्रणाली से सिंचाई किया जाता है, ऐसे क्षेत्रों में डीजल अनुदान का आवेदन प्राप्त होने पर गंभीतरता से संबंधित पदाधिकारी/कर्मचारी जॉच करने की दिशा में निर्णय लेने का काम किया गया है । डीजल अनुदान वितरण कार्यक्रम में किसानों से ऑनलाईन आवेदन प्राप्त कर सत्यापन के उपरांत डी0बी0टी0 के माध्यम से आधार-लिंक खाते में अनुदान का भुगतान करने की प्रक्रिया अपनाई गई है ।

2- महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि खरीफ 2019 में 11,64,938 किसानों द्वारा डीजल अनुदान हेतु ऑनलाईन आवेदन समर्पित किया गया है । प्राप्त आवेदनों में सत्यापन के पश्चात् 6,37,778 आवेदनों के विरूद्ध 83,25,82,356 रू0 बैंक के अंदर भुगतान के लिए भेजा गया है । जुलाई, 2019 से सितम्बर, 2019 में अच्छी वर्षा होने के फलस्वरूप डीजल से सिंचाई में कमी परिलक्षित हुआ है ।

3- महोदय, उपर्युक्त खंडों में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

श्री ललित कुमार यादव : अध्यक्ष महोदय, हमने स्पष्ट कहा है कि 11.44 लाख आवेदन पड़ा था और माननीय मंत्री जी अपने जवाब में कह रहे हैं कि 6 लाख समथिंग को हमने अनुदान दिया है ।

महोदय, हम माननीय मंत्री महादेय से जानना चाहते हैं कि इनके भ्रष्टाचार के कारण और जो वंचित रह गये 6 लाख के बाद, 5 लाख के करीब किसान चूंकि वे रिश्वत नहीं दे सके, उसके कारण । दूसरा, महोदय, राज्य में अभी लाखों किसान ऐसे हैं जिनका आवेदन नहीं लिया गया है तो क्या जिनका आवेदन नहीं लिया गया है, उनका आवेदन लेना चाहते है ? दूसरी बात, कितने किसान अभी भी आवेदन नहीं दे सके हैं ? उनका आवेदन कबतक ये लेने पर विचार कर रहे हैं और 11.44 लाख लोग जो आवेदन दिए थे, उसमें जो शेष बच गए 6 लाख के बाद, उनके भुगतान की दिशा में कौन-सी कार्रवाई करना चाहते हैं मंत्री जी ?

डॉ0 प्रेम कुमार, मंत्री : महोदय, आवेदन प्राप्त करने का समय जो तय किया गया था कि 7 दिन के अंदर, डीजल क्रय करने के बाद किसान ऑनलाईन आवेदन करेगा । महोदय, ऑनलाईन व्यवस्था में कोई रोक तो है नहीं । जिन लोगों ने आवेदन दिया और जॉच कर ली गई, जॉच करने के बाद जो किसान सही पाए गए, उनके खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से राशि ट्रांसफर की गई ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य पूछ रहे हैं कि जो लोग आवेदन नहीं कर पाए हैं, छूट गए हैं, उनको अब आवेदन ऑनलाईन करने की इजाजत है ? यह वे जानना चाहते हैं ।

डॉ0 प्रेम कुमार, मंत्री : महोदय, छूटे ही कोई नहीं, सबलोगों ने आवेदन किया था और आवेदन के जॉच के बाद, मैं देख रहा हूँ कि 11,64,935 आवेदन लोगों ने दिया था, उसकी जॉच की गई । पहले इनके सरकार में साल भर तक किसान ब्लॉक का चक्कर लगाता था और हमारे शासन में 25 दिन के अन्दर में हम किसानों के खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से, लालटेन युग समाप्त हो गया, अब बिहार में बिजली का राज आ गया है । हर गॉव, हर खेत, हर घर को हम बिजली के माध्यम से भी सिंचाई के लिए सुविधा देने का काम कर रहे हैं । अब लालटेन का जमाना गया, अब बिहार में बिजली है । (व्यवधान) अब बिजली राज है, बिजली जा रही है, किसानों को हम डीजल ही नहीं दे रहे हैं बल्कि बिजली भी दे रहे हैं । इसलिए अब लालटेन युग समाप्त हुआ, बिजली का राज आ गया है । 24 घंटे किसानों को हम बिजली आपूर्ति कराने का काम कर रहे हैं ।

(इस अवसर पर राजद के माननीय सदस्यगण अपनी-अपनी जगह पर खड़े हो गए)

(व्यवधान)

महोदय, 24 घंटा बिजली दे रहे हैं, समझ गए न ! आपके राज में लालटेन राज था, लालटेन राज को हमने खत्म किया । लालटेन राज को हमने खत्म किया और बिहार में हमने बिजली का राज लाया है, किसानों को हम बिजली आपूर्ति कराने का काम कर रहे हैं । डीजल ही नहीं, हर घर को, हर गॉंव को और हर खेत को हम बिजली की आपूर्ति कराने का काम कर रहे हैं ।

(इस अवसर पर राजद के माननीय सदस्यगण वेल में आ गए)

(व्यवधान)

महोदय, 15 वर्षों तक भ्रष्टाचार का पर्याय, 15 वर्षों तक बिहार को लूटने वाले लोग आज किसान के नाम पर घड़ियाली ऑंसू बहाने का काम कर रहे हैं । इसीलिए बिहार की जनता ने इनको सत्ता से बाहर करने का काम किया है । हम जब सरकार में आए हैं तो हमने बिहार की जनता को आश्वस्त किया और 24 घंटे बिजली दे रहे हैं और लालटेन युग हमेशा के लिए बिहार से खतम हो गया ।

टर्न-3/आजाद/27.02.2020

(व्यवधान)

डॉ0 प्रेम कुमार, मंत्री : महोदय, प्रेम कुमार अति-पिछड़ा वर्ग से आता है, इनको बर्दाश्त नहीं हो रहा है और 15 वर्षों तक बिहार को ठगने वाले लोग आज किसान के नाम पर घड़ियाली ऑंसू बहाने का काम कर रहे हैं, बिहार की सरकार किसानों के साथ है। माननीय मुख्यमंत्री किसानों के साथ हैं, इसलिए हमारी सरकार लालटेन युग को हमेशा के लिए बिहार से खतम करके 24 घंटे बिजली और डिजल अनुदान देने का काम कर रही है ।

(व्यवधान)

महोदय, इनके राज्य में किसान एक-एक साल तक ब्लॉक का चक्कर लगाता था और न्याय नहीं होता था और जंगल राज था । 15 साल तक किसानों के साथ न्याय नहीं हो रहा था, हम जब सरकार में आये, हमने किसानों के साथ 25 दिनों के अन्दर में डिजल अनुदान डी0बी0टी0 के माध्यम से दिलाने का काम किया। ये झूठा घड़ियाली ऑंसू बहाने का काम कर रहे हैं । घड़ियाली ऑंसू बहाने वाले लोग, किसानों को ठगने वाले लोग, किसानों को लूटने वाले लोग आज झूठ का घड़ियाली आंसू बहाने का काम कर रहे हैं । बिहार की सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार बिहार के किसानों के साथ बुलन्दी के साथ हमलोग खड़े हैं और

आगे भी हमलोग खड़े रहेंगे, हम आपसे झुकने वाले नहीं हैं । अतिपिछड़ा वर्ग के बेटा होने के कारण आपको बर्दाश्त नहीं हो रहा है । यह नहीं चलेगा महोदय ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब चलिए । आपलोग अपनी-अपनी जगह पर चले जाईए । अब हो गया ।

(व्यवधान)

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : माननीय सदस्यगण, आपलोग अपनी जगह पर जायं । माननीय सदस्यों से आग्रह है कि आपलोग अपना स्थान ग्रहण करें ।

अध्यक्ष : अब हो गया ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : माननीय सदस्यगण, आपलोग अपनी जगह पर जायं । माननीय सदस्य से आग्रह है कि अपना स्थान ग्रहण करें । अब जाईए, अब तो चलने दीजिए ।

माननीय सदस्यगण, अपनी जगह पर जायं और जगह पर जाकर के कोई प्रश्न का उत्तर जानना चाहें तो जानें । पहले अपनी जगह पर जाईन न, तब न बोलियेगा ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही 12.00 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-4/शंभु/27.02.20

(स्थगन के उपरान्त)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है । माननीय सदस्यगण, एक मिनट रूक जाइये न फिर आप कहियेगा । माननीय सदस्यगण, परसों 25 तारीख को इस सदन में जब कार्य स्थगन प्रस्ताव की सूचना पर विमर्श चल रहा था उस समय माननीय मुख्यमंत्री जी का प्रस्ताव आया था और आप सबों ने, सभी दल के नेताओं ने अपनी सहमति प्रकट की थी कि जो प्रस्तावित 2021 की जनगणना है, जो प्रारंभ होने वाली है वह जातिगत आधार पर हो इसके संबंध में इसी सदन में पूर्व में भी एक प्रस्ताव लिया जा चुका है । चूंकि अब ये होने वाली है और उपयुक्त समय है कि एक बार सदन फिर से अपनी भावना से जो संबंधित अधिकारी या प्राधिकार है उसको सूचित करावे। मैंने उस दिन नियमन दिया था कि इसके लिये उपयुक्त समय पर विधिवत प्रस्ताव लाकर हमलोग इसपर सदन की सहमति लेंगे । तो उस दिन के विमर्श के आलोक में मैं आपकी सहमति हेतु प्रस्ताव रखता हूँ ।

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि :

"प्रस्तावित जनगणना 2021 जातिगत आधार पर हो ।"

यह प्रस्ताव सर्वसम्मत स्वीकृत हुआ ।

अब बोलिये ललित जी क्या कह रहे थे ?

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, आसन सर्वोपरि है । अल्पसूचित प्रश्न 1 और 2 - महोदय, प्रश्न 1 से भी हमलोग संतुष्ट नहीं थे और माननीय मुख्यमंत्री जी का जो जवाब था प्रश्न 1 में जो तालाब या नहर पर लोग हैं उसको बेघर नहीं किया जायेगा । हम उसको जमीन मुहैया कराके उचित राशि भी देंगे उस प्रसंग में जवाब था आपने मौका नहीं दिया और दूसरा प्रश्न था महोदय, किसान से और किसानों के हित का सवाल था । हमलोगों ने कहा कि 11 लाख किसान आवेदित हैं उसपर मंत्री जी कहे कि 6 लाख आवेदक को दिया गया है और ऑनलाइन किया जाय । महोदय, ऑनलाइन बहुत किसान को जानकारी नहीं है और जब प्रश्न पूरक पूछा गया तो माननीय मंत्री जी का जो जवाब हुआ, आसन के नजर में है । माननीय मंत्री जी सबको देखकर बहुत मुस्कुरा रहे थे और महोदय 10 मिनट तक ऐसे-ऐसे शब्दों का प्रयोग किये । हमलोग सदन में प्रश्न का जवाब सुनने आये हैं । हम मंत्री जी के उत्तर से जलील होने नहीं आये हैं और एक ही बात को बार-बार....

अध्यक्ष : ठीक है ।

(व्यवधान)

श्री ललित कुमार यादव : नहीं महोदय, इस तरह से सदन चलेगा तो हमलोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। जिस तरह से मंत्री जी का जवाब आता है, भाषण होता है, 15 साल में जितना लूट हुआ है आजादी के बाद से आज तक किसी सरकार में लूट नहीं हुई है। दूसरे को क्या कहते हैं लुटेरी सरकार दूसरे को कहेगी ?

अध्यक्ष : ठीक है, आपकी बात हम पूरा सुने, हमारी बात भी तो सुनिये ।

श्री ललित कुमार यादव : नहीं महोदय, आसन से भी कोई नियमन नहीं हुआ और....

अध्यक्ष : हम सुन लिये आपकी बात हमारी बात नहीं सुनियेगा, कह रहे हैं नहीं महोदय ।

श्री ललित कुमार यादव : आपने मंत्री को कोई निदेश दिया है ?

अध्यक्ष : मेरी बात सुन लीजिए फिर जो मन होगा बोलियेगा ।

श्री ललित कुमार यादव : हमको अपमानित करने के लिए माफी मंत्री मांगें नहीं तो हमलोग सदन को नहीं चलने देंगे ।

अध्यक्ष : आप मेरी बात सुन लीजिए न ।

श्री ललित कुमार यादव : आप मंत्री से माफी मंगवाइये ।

अध्यक्ष : एक मिनट सुन लीजिए । माननीय ललित जी, आपने दो प्रश्नों का हवाला दिया है । पहला प्रश्न जो श्री भोला यादव जी का था जिसमें जल जीवन हरियाली कार्यक्रम के तहत जल स्रोतों पर जो अतिक्रमण है उससे मुक्त कराने के संबंध में वह प्रश्न था उसमें माननीय मंत्री ....व्यवधान ।

अरे बैठिए न रविन्द्र जी, काहे की व्यवस्था ! व्यवस्था के नाम पर अव्यवस्था मत करिये । नहीं, बैठिए, अभी बैठ जाइये । उसमें माननीय मंत्री जी ने कहा था कि हमलोग कर रहे हैं और जो भी इस तरह की सूचनाएं आयेंगी उसपर हमलोग कार्रवाई करेंगे । उसपर आसन की तरफ से भी हमने सदन को कहा था कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी सरकार की नीति स्पष्ट रूप से इसी सदन में घोषणा की है कि हमलोग जल स्रोतों को अतिक्रमण मुक्त करायेंगे, जो लोग अतिक्रमण किये हुए हैं उनसे खाली करायेंगे, लेकिन उसमें अगर कोई गरीब हैं, भूमिहीन हैं जिनको उस घर के अलावा रहने को कहीं घर नहीं है उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करके या पुनर्वास का इंतजाम करने के पश्चात् ही उनको हटाया जायेगा । हमने यह कहा था और हमने आप सबों से अनुरोध किया था कि इसमें दो तरह की सूचनाएं हो सकती हैं एक तो कि कोई बड़े-बड़े लोग किसी जल स्रोत की जमीन पर कब्जा किये हुए हैं, खाली नहीं कराया जा रहा है उसकी सूचना सरकार को दे दीजिए या कोई गरीब भूमिहीन जिसको उजाड़ दिया गया है और उसको बसने के लिए घर नहीं है । इन दो प्रकारों में से किसी प्रकार की सूचना आपके पास है तो

सरकार को उपलब्ध कराइये, घोषित नीति है । उसपर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए । यह स्पष्ट हमने कहा था इसलिए इस प्रश्न का निष्पादन हुआ था । दूसरा प्रश्न आया था उसपर जवाब चल रहा था इस बीच माननीय मंत्री के जवाब से आपलोग असंतुष्ट या उत्तेजित होकर आ गये थे तो उस क्रम में भी मैं निवेदन करना चाह रहा था कि चाहे प्रश्न हो या पूरक प्रश्न हो माननीय मंत्रीगण भी अगर जवाब देंगे तो प्रश्न के विषय वस्तु पर केंद्रित जवाब देंगे तो किसी तरह की अव्यवस्था नहीं होगी, किसी को दुख नहीं होगा इसलिए हमेशा, मंत्री का भी कार्य तभी होगा जब उनके जवाब से माननीय सदस्य प्रश्नकर्त्ता, पूरककर्त्ता या सदस्य संतुष्ट होंगे । इस तरीके से अव्यवस्था हो जाती है तब न सरकार का काम होता है, न माननीय सदस्यों का काम होता है । इसलिए हमारा संपूर्ण सदन से यही अनुरोध होगा कि आनेवाले समय में चाहे मंत्रीगण जवाब दें तो हमेशा प्रश्न के विषय वस्तु तक ही केंद्रित रहें या पूरक में जो माननीय सदस्य जानना चाहते हैं उसी बात तक अपने को केंद्रित रखें अन्यथा किसी विवादास्पद या विरोधाभासी बातों की तरफ हम जाते हैं तो अनावश्यक विवाद होता है, सदन का भी समय जाया होता है । इसलिए कोई भी उस तरह की बात, जिससे उत्तेजना हुई या अमर्यादित बात है, उसको सदन की प्रोसिडिंग से हम निकाल रहे हैं । अब शून्यकाल चलने दीजिए । शून्यकाल ।

श्री ललित कुमार यादव : महोदय, माननीय मंत्री जी का जो जवाब था और आपने सब बात कह दिया, आपने भी स्वीकार किया कि मंत्री जी ने गलत दिशा में जवाब दिया । ***

श्री नन्दकिशोर यादव,मंत्री : महोदय....

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण अपनी सीट पर खड़े हो गये।)

(व्यवधान)

श्री ललित कुमार यादव : आप जॉच करा दीजिए दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा । ***

(व्यवधान)

(व्यवधान)

अध्यक्ष : क्या आप कह रहे हैं बहुत देर से खड़े हैं रविन्द्र जी बोलिये न ।

श्री रविन्द्र यादव : हमलोगों के हाऊस के कस्टोडियन हैं आप ।

अध्यक्ष : आप नयी बात कह रहे हैं हमको अच्छा लगा ।

*** उपर्युक्त अंश आसन के आदेशानुसार विलोपित किया गया ।

श्री रविन्द्र यादव : अभी पूरा नहीं हुआ सर, जो बॉडी लैंग्वेज है सचेतक ललित यादव जी का धमकी देने का, ऊंगली दिखाने का आसन की तरफ.....व्यवधान....ए शांत रहिये । आसन की तरफ ऊंगली दिखा रहे हैं सर ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : शून्यकाल । श्री समीर कुमार महासेठ । अब शून्यकाल होने दीजिए न आपका भी है। अब चलने दीजिए न, ठीक है ।

(व्यवधान)

श्री समीर कुमार महासेठ : महोदय, राज्य के 4 लाख नियोजित शिक्षक समान कार्य के बदले समान वेतन लागू कराने हेतु हड़ताल पर हैं । शिक्षक नहीं हैं परीक्षा की व्यवस्था चरमरा गयी है । शिक्षकों को समान वेतन समान सेवा लागू कर सरकार हड़ताल समाप्त करावे ।

(व्यवधान)

श्री नन्दकिशोर यादव,मंत्री : हाऊस को किडनैप नहीं कर सकते हैं वो ।

(व्यवधान)

टर्न-5/27-02-2020/ज्योति-मुकुल

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठ जाईये, बैठ जाईये । सभी..

श्री नंद किशोर यादव, मंत्री : हाउस को किडनैप नहीं कर सकते वो । जिसका नेता जेल में बंद है महोदय, भ्रष्टाचार के आरोप में सजा हो गई सुप्रीम कोर्ट से, वो क्या भाषण देगा ?

(व्यवधान)

अध्यक्ष : अब सभा की बैठक 2 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है ।

टर्न-6/आजाद/26.02.2020

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है । वित्तीय कार्य, प्रभारी मंत्री ।

वित्तीय कार्य

वित्तीय वर्ष 2019-20 के आय-व्ययक से संबंधित तृतीय अनुपूरक व्यय-विवरणी का उपस्थापन ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव,मंत्री : अध्यक्ष महोदय, भारतीय संविधान के अनुच्छेद-205 के अनुसरण में बिहार विनियोग (संख्या-2), अधिनियम-219 बिहार विनियोग (संख्या-3), अधिनियम-219 एवं बिहार विनियोग (संख्या-4) अधिनियम-219 द्वारा स्वीकृत राशि के अलावे वित्तीय वर्ष 2019-20 में जो खर्च होने की संभावना है, उसके संबंध में मैं तृतीय व्यय विवरणी उपस्थापित करता हूँ ।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक पर सामान्य-विमर्श

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक पर अब सामान्य विमर्श होगा । इसके लिए दिनांक 27 एवं 28 फरवरी, 2020 की तिथि निर्धारित है । वाद-विवाद एवं सरकार के उत्तर के लिए कुल 4 घंटे का समय उपलब्ध है । विभिन्न दलों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है तथा इसी समय में से सरकार को उत्तर के लिए भी समय दिया जायेगा ।

राष्ट्रीय जनता दल	-	79 मिनट
जनता दल युनाईटेड	-	69 मिनट
भारतीय जनता पार्टी	-	54 मिनट
इंडियन नेशनल कांग्रेस	-	26 मिनट
सी0पी0आई0एम0	-	03 मिनट
लोक जनशक्ति पार्टी	-	02 मिनट
हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा	-	01 मिनट
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन	-	01 मिनट
निर्दलीय	-	05 मिनट

श्री मो0 नवाज आलम ।

श्री मो0 नवाज आलम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से वित्तीय वर्ष 2020-21 बजट के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ सर । महोदय, वित्त मंत्री ने बजट में जो सभी विभाग हैं, उन विभागों की चर्चा उन्होंने करने का काम किया है । पथ निर्माण, ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग से लेकर तमाम जो है विभागों की, उन्होंने चर्चा करने का काम किया है और बजट के दौरान मुझे ऐसा लगा कि ये बजटीय भाषण नहीं, बल्कि यह राजनीतिक भाषण के रूप में बजट को पेश करने का काम किया गया है । महोदय, मैं इस बजट का इसलिए विरोध करता हूं कि ये निश्चित रूप से माननीय वित्त मंत्री जी अपनी पीठ थप-थपा लें, चाहे पथ निर्माण विभाग के ऊपर हो, इन्होंने ऐसी टिप्पणी करने का काम किया, जो मेरी समझ से हमलोग माननीय हैं और इस सदन के पहले मेम्बर्स हैं, लेकिन माननीय वित्त मंत्री जी काफी लम्बे समय से इस सदन के मेम्बर्स हैं, लेकिन उसमें सदन के जो मेम्बर नहीं होते, उनकी भी चर्चा इसमें की जाती । मुझे लगता है कि इस पर घोर आपत्ति है महोदय । आपत्ति इसलिए है महोदय कि आपने जो 14 साल के शासन काल में बजट भाषण में उल्लेख किया है, जो बिल के माध्यम से करने का काम किया । आप कब तक इस बात कि ढिंढ़ोरा पीटते रहेंगे कि वर्ष 2004 में, 2005 में अमुक-अमुक घोटाले हुए, उन घोटालों की गिनती करते हैं लेकिन आप भी इस सदन में व्याख्या करने का काम करते, अगर क्या आपके राज में 40 जो घोटाले हुए, उस घोटाले में आप कहां-कहां लिप्त थे, कौन-कौन से लोग थे, उसमें जो लोग लिप्त थे, कौन-कौन मंत्री लिप्त थे, कौन वो तोंद वाले थे, कौन वो मूँछ वाले थे, उनकी भी चर्चा होनी चाहिए थी । महोदय , ठीक किसी ने कहा है कि आप जो अपनी पीट थपथपाने का काम करते, आप माननीय वित्त मंत्री जी शोहरत की बुलन्दी पर , शोहरत की बुलन्दी भी एक पल का तमाशा है, जिस साख पर आप बैठे हैं, वह टूट भी सकती है । महोदय, आज जिस शोहरत में, जिस गुमान में जो चल रहे हैं, आप निश्चित रूप से अपने काम की व्याख्या करते, बजट के दौरान आपने किन-किन बिन्दुओं को छूने का काम किया है, आपने जो है कहीं नगर विकास की चर्चा करते , हम शहरी क्षेत्र से आते हैं महोदय, नगर विकास जो मंत्रालय, जो विभाग है, उस विभाग में आप जो हैं, हम लगभग साढ़े चार वर्षों से आरा शहर से विधायक हैं, आप लगभग 13-14 सालों से सत्ता में रहे, आपके माननीय विधायक भी रहे, हो सकता है कि आपका उनसे किसी तरह का मतभेद था, लेकिन मैं जानता हूँ कि आपने आरा शहर को नरक बनाने का काम किया है । महोदय, आऊट फॉल नाले हैं, आऊट फॉल नाले का 20.01.2017 ने माननीय मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक

होती, प्रमंडल की बैठक होती, उन तमाम बिन्दुओं पर उस आऊटफॉल नाले की जब हमलोग बात करते, आप उससे कहीं न कहीं कन्नी कटाने का काम करते ...

(इस अवसर पर मा0 सभापति, श्री मो0 नेमतुल्लाह ने आसन ग्रहण किया)

महोदय, जब डी0पी0आर0 बनकर इस सदन में आपके केबीनेट के पास प्रस्तुत होता है, तो इसी गैर-सरकारी संकल्प में माननीय नगर विकास एवं आवास मंत्री कहते हैं कि निधि उपलब्ध होगा तो काम होगा । हम जानना चाहते हैं सदन के माध्यम से कि आपका कौन विजन है, कौन सी आपकी सोच है, जो आप निश्चित रूप से......

(व्यवधान)

आप बैठिए न, आप गार्जियन हैं । हर मामले में खड़ा नहीं होना चाहिए।

सभापति(श्री मो0 नेमतुल्लाह) : आप बोलिए ।

श्री मो0 नवाज आलम : महोदय, एक तरफ पीठ पीछे यही आदरणीय नेता का बखान करते कि मैं जब घर से निकलता हूँ तो आदरणीय सदन के नेता को कहीं न कहीं पूजने का काम करता हूँ, सदन में उनकी देन है कि सदन में मैं मेम्बर बना हूँ । इसलिए हम कहना चाहते हैं कि आपके सामने जिस तरह से नगर विकास की चर्चा की है, मैं चर्चा कर रहा था, नगर विकास पूरे शहर की धरोहर होती, आप नल-जल योजना चलाने का काम करते, हम जानना चाहते हैं महोदय कि आपने पूरे पटना को डुबाने का काम किया और डुबाने का ही काम नहीं किया, पटना जैसे शहर जहां हमलोग रहते हैं बेलीरोड पर, वहां भी हमलोग मकान में ठेहुन पर पानी लगा था महोदय, माननीय सुशील मोदी जी आप वित्त मंत्री हैं । 14 साल से आप शासन में थे आप जो हैं जिस तरह से राजेन्द्र पुल पर खड़े थे हाफ पेन्ट पहनकर जिलाधिकारी के साथ, परिवार के साथ ऐसा लग रहा था जिस तरह से गुजरात से बैग लेकर आप आये थे फिर गुजरात जाने की तैयारी में हैं वो दृश्य देखने को मिला । पूरा हिन्दुस्तान कहीं न कहीं शर्मसार हुआ है जहां के वित्त मंत्री हो, जहां के डिप्टी सीएम हो, जो 30 वर्षों से, 40 वर्षों से जिस सरकार की हुकूमत में रहा हो, आपने कौन सा विजन देने का काम किया है । महोदय, इसी तरह से पूरा राजेन्द्र नगर जो है, पूरा नगर निगम डूबा हुआ है और 167 करोड़ के प्रोजेक्ट के लिए आपके सामने राशि उपलब्ध नहीं होती । आप कहते हैं कि हम विकास करते हैं, आपके विकास का ढिंढोरा जिस सरकार की करते हैं, बात करते हैं, विजन है, पी0एम0 पैकेज की जहां आपने चर्चा किया है इस बजट में, आपसे जानना चाहते हैं महोदय, पैकेज की आपने घोषणा की थी । माननीय

प्रधानमंत्री जी आरा की सरजमीं पर आपने घोषणा की थी एक करोड़ दूं, दो करोड़ दूं, 16 लाख करोड़ दिया महोदय, आपने कहां गया सवा लाख करोड़ का पैकेज, आपका पैकेज जो है चार वर्षों में 58 प्वाइंट कुछ करोड़ का आता है, आप कौन सा विजन लेकर चलना चाहते हैं । यह मेरी रिपोर्ट नहीं है महोदय, पूरे हिंदुस्तान की वेबसाइट पर रिपोर्ट है, आपको दिखाना चाहते हैं महोदय । यह पहला मामला है इंडिया कॉलप्सिंग के मामले में... (व्यवधान)

सभापति(श्री मो0 नेमतुल्लाह) : आप बैठिए । आपका टाईम आयेगा तो बोलियेगा ।

श्री मो0 नवाज आलम : महोदय, इंडिया कॉलप्सिंग के मामले में कहता है कि while everyone is debating on India-Pakistan 370 Kashmir Hindu-Muslim, CAA, NRC और डोनाल्ड ट्रंप के मामले में आप चर्चा करते हैं....

(व्यवधान)

आपसे हम जानना चाहते हैं We miss to notice what's happening to India, महोदय, India Recent data & situation है महोदय, External Debt of India में 500 मिलियन लौस चल रहा है महोदय, वोडाफोन को जो है 50,000 करोड़ का लोस चल रहा है, आपका जो एयरटेल है Airtel is in loss of 23,000 crore जो है,

..... क्रमशः ......

टर्न–07/कृष्ण/27.02.2020

श्री मो0 नवाज आलम (क्रमशः) - महोदय, एयर टेल 23000 करोड़ लॉस में चल रहा है । बी0एस0एन0एल0 लॉस में चल रहा है और सेल भी लॉस में चल रहा है । एयर इंडिया बंद के कगार पर है । स्पाईस जेट एयरवेज लगभग 443 करोड़ लॉस में चल है । इन्डिगो 1062 करोड़ के लॉस में है, इन्डिया पोस्ट 15000 करोड़ के लॉस में है। आप जेट एयरवेज को बंद करते हैं । रेलवेज आर ऑन सेल महोदय, तमाम यूनियन बैंक लॉस में है, इस देश का पहला इतिहास है, जहां का आर0बी0आई0 का गवर्नर तीन-तीन गवर्नर रीजाईन करता है महोदय, एक तरफ अपनी पीठ थपथपाने की बात करते हैं । महोदय, बहुत लोगों ने यह बात कहने का काम किया है कि आपको जो मैनडेट मिला, उससे आप अपनी पीठ थपथपाते हो, लोग कहते हैं कि

"मरहम पूछकर आज फिर चोट दे गया,
रोटी देने आया था, मेरा रोट ले गया,
काजू, बादाम, पिस्ता दिखाकर अखरोट दे गया ।
झूठे वादे करके फिर वो मेरा वोट ले गया । "

महोदय, इस बात से पूरे हिन्दुस्तान के लोग शर्मिंदा हैं कि आपको बहुत बड़ा मैनडेट देने का काम किया था, लेकिन हिन्दुस्तान के लोगों ने आपको आईना दिखाया। मध्य प्रदेश में दिया, महाराष्ट्र में दिया, झारखंड में दिया, दिल्ली में दिया, आप तब भी नहीं संभले । इसलिए मैं आपको कहना चाहता हूं कि -

"जुल्मी जब-जब जुल्म करेगा,
सत्ता के गलिआरों से इंकलाब का नारा,
गूंज उठेगा हर दीवारों से ।
चप्पा-चप्पा गूंज उठेगा, इंकलाब के नारों से । "

महोदय, इसलिए हम कहना चाहते हैं कि आपने जिस तरह से नदियों के ऊपर पुल बनाने का आपने बजट में व्याख्यान किया हैं, मैं जानना चाहता हूं । आप कहते हैं कि चरवाहा विद्यालय । चरवाहा विद्यालय हमारे माननीय आदरणीय नेता ने पिछडों, दलितों की आवाज बनकर जो खेत-खलिहान में काम करनेवाले थे, इनके लिये कहीं न कहीं विद्यालय खोलने का काम किया था, उस दूध उत्पादक की यहां पर बुराई हुई, दूध उत्पादक का आप मजाक उड़ाने का काम करते हैं । हम जानना चाहते हैं । आदरणीय लालू यादव ने कहीं न कहीं सार्वजनिक संस्थान में 5-5, 6-6 यूनिवर्सिटी देने का काम किया, आरा की सर जमीं पर अगर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी बनी है, दुनियां के तमाम जगहों पर कोई भी यूनिवर्सिटी बनी, जय प्रकाश यूनिवर्सिटी बनी, वह तमाम आदरणाीय लालू यादव की देन थी । इसलिए आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि आप चरवाहा विद्यालय का मजाक करना छोड़ दीजिये, चरवाहा विद्यालय एक आईकॉन था, जो मवेशी पालनेवाले गरीब लोग थे ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : शांति शांति ।

श्री मो0 नवाज आलम : अभी हमारे माननीय अध्यक्ष महोदय भी अल्पसंख्यक पर वारो फिदा थे । अपने ऊर्दू के भाषण में कुछ साथी भाजपा के लोगों की आलोचना करने लगे । हम जानना चाहते हैं कि आपने जो बजट में प्रावधान किया है अल्पसंख्यक के लिये, क्या कारण हुआ कि जब हमलोग सरकार में शामिल थे, उस सरकार का बजट कभी बहुत दोगुना था, आज बजट में कटौती की गयी, जब इनलोगों के साथ में थे तो बजट में कहीं न कहीं कटौती करने का काम किया गया है । इसी तरह से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मामले में, साथियों अभी आप चले जाईये, वीर कुंवर सिंह छात्रावास दलित पिछड़े महिलाओं का, बच्चे-बच्चियों के साथ जिस तरह का भेदभाव अपनाया गया, हमलोग उसका दौरा किये थे, उस मामले में भी आपने निश्चित रूप से कहीं न कहीं भेदभाव करके गरीब पिछड़े दलित समाज

के उत्पीड़न को आपने कहीं न कहीं दबाने का काम किया है । लगातार उस मामले को उठाते रहे, मगर आपके कानों में जूं नहीं रेंगी । आपका तमाम विजन चाहे आप स्वास्थ्य की बात करते हैं ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह): अब आप खत्म कीजिये ।

श्री मो0 नवाज आलम : महोदय, मेरा तो अभी शुरू हुआ है । स्वास्थ्य के मामले में आप बताने का काम करेंगे, आपका विजन हम स्वास्थ्य के बजट में देख रहे थे, स्वास्थ्य के मामले में आपने जो प्रोविजन किया है, आप अपनी पीठ थपथपा लें, कहीं न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर नहीं है, कहीं सर्जन डॉक्टर नहीं है, कहीं चाईल्ड स्पेस्लिस्ट डॉक्टर नहीं है, आप दुनियां के तमाम अस्पतालों में चले जाईये, आप देखेंगे, आप दिल्ली से मुकाबला करते हैं, लेकिन सरजमीं पर कहीं कोई डॉक्टर नहीं है, हमलोगों का स्वास्थ्य उपकेन्द्र है जेबिदा, पैठानपुर, वहां की जर्जर स्थिति के कारण नर्स नहीं रहते, डॉक्टर नहीं रहते हैं, प्रसव के लिये औरतें घर से चारपाई पर लादकर लायी जाती है, वह रास्तें में दम तोड़ देती है, आपका कौन-सा विजन है, हम जानना चाहते हैं ।

आप पशुपालकों का मजाक उड़ाने का काम करते है । कहीं भी पशु डॉक्टर नहीं है । सभापति महोदय, हम आपसे कहना चाहते हैं कि कहीं भी पशु डॉक्टर चाहे आरा हो, चाहे कोई भी स्थान हो, कहीं भी पशुओं के लिये दवाई नहीं है । आपका कौन-सा विजन है, हम जानना चाहते हैं । आप कानून के राज की व्याख्या करते हैं । हम जानना चाहते हैं कि आरा में सत्येन्द्र एडवोकेट की हत्या होती है, लगातार 11-12 लोगों की हत्यायें होती है, आप एक तरफ अपनी पीठ थपथपाने का काम करते हैं लेकिन आपका कानून का राज नही है । इसलिए हम आपके माध्यम से सरकार को आगाह करना चाहते हैं कि मैं आपके बजट का पुरजोर विरोध करता हूं ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : ठीक है । आप समाप्त कीजिये ।

श्री मो0 नवाज आलम : महोदय, मैं आपे माध्यम से कहना चाहता हूं कि शौचालय के निर्माण के मामले में अपनी पीठ थपथपाने का काम किया है । शौचालय निर्माण में जो गड़बड़ियां हैं, ब्लौक से लेकर तमाम जगहों पर, एक भी ब्लौक में कर्मचारी नहीं है, कहीं सी0 ओ0 है तो एक बड़ा बाबू है, बी0डी0ओ0 है तो एक बड़ा बाबू है, तमाम जगहों पर भ्रष्टाचार है आप तमाम लोग अपनी अंतरात्मा में टटोल कर देखें, भ्रष्टाचार की गंगोत्री में यह सरकार डूबी हुई है । इसलिये हम आपके माध्यम से बताना चाहते हैं ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह): आप समाप्त कीजिये ।

श्री मो0 नवाज आलम : महोदय, आपने जो हमें बोलने का समय दिया, इसके लिये आपको तहे दिल से आरा की जनपद की ओर से आपका हम अभिनन्दन करते हैं, आपको धन्यवाद देते हैं ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : श्री मेवालाल चौधरी ।

श्री मेवालाल चौधरी : सभापति महोदय, आज सरकार द्वारा बजट पेश करने के पक्ष में मैं बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं । महोदय, सरकार ने जो बजट पेश किया है, हमारे हिसाब से अगर देखा जाय तो आर्थिक दृष्टि से और सामाजिक दृष्टि से विकास ही विकास इस बजट से दीख रहा है । सर, हम थोड़ा-सा आर्थिक दृष्टि से एनालेसिस करके बताना चाह रहे हैं कि कि सर, अगर ओवर ऑल हमलोग जी0डी0पी0 देखेंगे नेशनल से तो उससे हमलोग बहुत आगे हैं और जो स्टेट जी0डी0पी0 है सर, हमलोग उसको भी निरंतर पिछले चार सालों से हमलोग आगे चल रहे हैं । यह भले है कि हमने टरसरी सेक्टर में बहुत ही अच्छी वृद्धि किया है, प्राईमरी और सेकेंडरी सेक्टर में चूंकि मौसम की बड़ी बेरूखी थी, जिसके कारण प्राईमरी सेक्टर में हमलोग थोड़ा-सा स्लो डाउन हुये हैं और होप फुल्ली हमारा प्राईमरी सेक्टर में ग्रोथ रेट बढ़ेगा तो आज जो हमारा स्टेट जी0डी0पी0 है, इससे भी 4 गुना हमलोग आगे बढ़ेंगे। महोदय, बिहार में अगर गरीबी रेखा का अनुपात देखेंगे, पिछले तीन सालों से गरीबी-रेखा में बहुत कमी आयी है । महोदय, अगर आप पर-कैपिटा इनकम देखेंगे, उसमें भी बढ़ोत्तरी हुयी है । महोदय, हमारा जो बजट है, आर्थिक दृष्टि से, हमारा जो रेवेन्यू गेन हुई है, अगर पिछले दो साल, तीन साल से कम्पेअर करेंगे, उसमें भी हमारी बहुत अच्छी बढ़ोत्तरी हुई है । महोदय, जो लौस, जिसके लिये हमलोग हमेशा परेशान रहते हैं, मेरा लॉस विद इन लिमिट है और हम इस तरह से कह सकते हैं कि आदरणीय फाईनेंस मिनिस्टर द्वारा जो बजट पेश की गयी है, एक बहुत ही अच्छा प्रबंधन है ।

क्रमश :

टर्न-8/राजेश/27.2.20

श्री मेवा लाल चौधरी, क्रमशः और उम्मीद है कि आने वाला दिन बिहार के लिए बहुत ही अच्छा दिन आने वाला है । महोदय, हमलोग इस बजट को ग्रीन बजट भी कहते हैं, इसका मूलतः यह एक ऐसा बजट है, जो पहली बार पूरे हिन्दुस्तान में इसतरह की बजट पेश नहीं की गयी थी, जिसमें महोदय आज पूरी दुनिया जिसके लिए जूझ रही है, हमलोग जिसको ग्लोवल वार्मिंग कहते हैं, जिसको हमलोग क्लाईमेट चेंज

कहते हैं, हमलोग जो परिवर्तन की उम्मीद कर रहे हैं और जो आने वाला है, कुछ दिन पहले जो आगाह हुआ है, जिसपर दुनिया आज बात कर रही है महोदय, सिरिज ऑफ मीटिंग्स हो रहे हैं, चाहे वह इन्टरनेशनली हो या नेशनली हो, महोदय हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी और आदरणीय हमारे उप-मुख्यमंत्री जी दूर दृष्टि के हैं कि इन्होंने पहले से ही कंसिभ कर लिया कि यह समस्या हमारे बिहार में भी आने वाली है,तो हमलोग उसके मिटिगेशन के लिए उसको कम करने के लिए क्यों नहीं हमलोग एक ऐसा प्रपोजल लाए, जिसके कारण कुछ हद तक चाहे वह वायुमंडल में जो जहरीला गैस उत्पन्न हो रही है,चाहे जो पानी में कमी आ रही है,उसके लिए हमलोग एक परियोजना लाए, जो जल-जीवन-हरियाली एक लंबे मीटिंग के अन्तराल में यह फैसला लिया गया माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा कि जल जीवन हरियाली को हम बिहार में लाए । महोदय, यह एक ऐसा स्कीम है, यह एक समाज से जुड़ा हुआ स्कीम है महोदय, हम थोड़ा सा इसपर प्रकाश डालेंगे । महोदय आज जो वायुमंडल में गैस की जो जमावट हो रही है, जो एक्यूजेशन हो रहा है, यह सारा ग्रीन हाउस के एसेस है, खास करके यह महोदय यह सी0ओ0टू गैस है, कार्बन है, नाइट्रोऑक्साईड है, मिथिल गैस है । महोदय आज हमलोग बड़े संकट में है, इसलिए हम तमाम अपने साथियों से कहना चाह रहे हैं कि आज जो सी0ओ0टू0 का कन्सनटेशन होनी चाहिए, हमलोग ऑप्टिमम कन्सनटेशन 205 पी0पी0एम0 होता है, महोदय, उससे हम दो गुना एवं तीन गुना बढ़ गये हैं, आज महोदय, एक रिर्पोट आयी है कि पूरे भारतवर्ष में साढ़े बारह लाख आदमी प्रतिवर्ष जहरीले गैस के कारण बिमारी से लोग मर रहे हैं महोदय, यह एक गंभीर समस्या है और अगर इस समस्या को जिस जल-जीवन-हरियाली के तहत इसका निदान करने के लिए कदम उठाये हैं, इसको पूरे देश ने एप्रीसिएट किया है और हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में इसे इन्टरनेशनली एप्रिसिएट किया जायेगा । महोदय, जो फैसला हमलोगों ने लिया है हरियाली के लिए पहली बार हमारी सरकार ने 15 परसेंट फॉरेस्ट एरिया लाने की बात की, तो महोदय हम कहेंगे कि अब उसको बढ़ाकर 17 परसेंट और 19 परसेंट और इस साल का जो फैसला है वह लगभाग दो करोड़ प्लानटेशन का, महोदय मैं एक चीज बता दूं आपलोगें की जानकारी के लिए कि एक पौधा जिसकी जिन्दगी हमलोग 40 साल कलकुलेट करते हैं, वह पूरे लाईभ पिरिएड में तकरीबन एक टन कार्बन ऑब्जर्व करता है, तो एक टन जहरीला गैस जब ऑब्जर्व करता है, तो महोदय जिसतरह से हमारी सरकार ने आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने आदरणीय उप-मुख्यमंत्री जी ने जो फैसला लिया है कि जितना प्लानटेशन का एरिया बढ़ेगा, हमलोग जो जहरीली गैस जिसके कारण आने वाला जो संकट है,उससे निजात हमलोग बहुत हद तक

पायेंगे । महोदय, एक चीज और बता दें जानकारी के लिए सदन को कि जितने भी डेवलप कंट्री हैं महोदय, जितने भी यूरोपियन कंट्री हैं, महोदय वह कार्बन को ट्रेड कर रहा है, वह बेच रहा है, वह व्यापार कर रहा है क्योंकि उसका इन्डस्ट्रीरियल ग्रोथ बहुत ही ज्यादा है, वह कह रहा है कि हम जितना कार्बन वायुमंडल में दे रहे हैं और अगर कोई भी कंट्री इस कार्बन को ऑब्जर्व करना चाहता है, तो उसके एवज में हम पैसा देंगे, महोदय हमलोग उसको अंग्रेजी मे कहते हैं कार्बन सिक्वेस्ट, तो जितना भी कार्बन सिक्वेस्ट कीजियेगा उसके एवज में हम पैसा देंगे, कार्बन फूड प्रिंटिंग उसके लिए भी बड़ी-बडी परियोजना बन रही हैं महोदय और हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों मे भी हमलोग उस परियोजना का इस्तेमाल करेंगे । महोदय, हम पानी के बारे में थोड़ा सा जानकारी हेतु बता दें । महोदय, पिछले पॉच साल का अगर आप डेटा देखेगे, महोदय जो हमारे यहॉ बारिस का जो रेनफॉल है, हमारे यहॉ तकरीबन 1100 से 1200 बिलियन बारिस होती है और महोदय अगर बारिस को देखेंगे, तो हर साल महोदय जो हमारी डिफिसिट ऑफ रेन हो रही है तकरीबन महोदय 10 से 12 परसेट हो रही है । महोदय हम डेटा पढ़ना चाहेंगे 2012 में 813 एम0एम0 हुआ था जबकि हम उम्मीद करते हैं 1200 एम0एम0 होनी चाहिए, 2013 में 722 एम0एम0 बारिस हुआ था, 2014 में 848 एम0एम0 बारिस हुआ था, 2015 में 775 एम0एम0 हुआ है, 2016 में 934 एम0एम0 हुआ है और 2017 में 937 एम0एम0 हुआ है यानि तकरीबन हमलोग हर साल पानी में हमलोग डिफिसिट हो रहे हैं । महोदय, हमारा कंजमशन ज्यादा पानी का इस्तेमाल या तो सिंचाई के लिए कर रहे हैं, तकरीबन उसमें 78 परसेंट हमलोग जितना भी आज हमारे यहॉ पानी बचा हुआ है, हमलोग 78 परसेंट सिंचाई में पानी का इस्तेमाल करते हैं, हमलोग खाना बनाने जिसको हमलोग डोमेस्टिक यूज कहते है, इसमें तकरीबन 11 से 12 परसेंट अभी फिर हाल इस्तेमाल कर रहे हैं, हमारे यहॉ इन्डस्ट्रीयल उतना डेवलप नहीं है, इसलिए हमलोग डेवलप नहीं है, इसलिए इन्डस्ट्रीज में हमलोग एज्यूम करते हैं 0.75 परसेंट, हमलोग इन्डस्ट्रीज में पानी का इस्तेमाल करते हैं । महोदय आज आपके पास कितना पानी हमारे बिहार में है, वह भी फीगर हमारे पास है, हम माननीय सदस्यों को बताना चाहेंगे कि आज जो हमारे पास पानी एभेलेबुल है तकरीबन जो सरफेस वाटर होता है, जो पौंड में जमा होता है, आज हमारे पास तकरीबन 132 बी0सी0एम0 है यानि 100 करोड़ से गुना कीजियेगा तो उतना हमारे पास पानी है और जो ग्राउन्ड वाटर है महोदय जिसके बारे में हमलोग बार-बार चर्चा करते हैं माननीय मुख्यमंत्री जी बराबर ग्राउन्ड वाटर के चार्ज के बारे में चर्चा करते हैं, तकरीबन हमारे पास 29 बिलियन क्यूसिक मीटर है, अगर कुल दोनो को मिला देंगे

सरफेस वाटर और ग्राउन्ड वाटर को, तो तकरीबन आता है 161 बिलियन क्यूसिक मीटर, आज हमारे पास पानी है सर । महोदय, हमलोगों ने एक डेटा निकाला है कि हम कितना पानी इस्तेमाल करते है हर साल और कितना पानी बर्बाद करते हैं हर साल, हम यह भी बताना चाहेंगे महोदय । महोदय, एक आदमी चार हजार लीटर पर पर्सन पर डे पानी का इस्तेमाल करता है । महोदय, 2001 में हमारे पास जो पोपुलेशन था, महोदय इसको पोपुलेशन से कॉरेसपौंनडेंस से किये हैं, जो पोपुलेशन था 2001 में, तो वह तकरीबन 8 करोड़ पोपुलेशन है, उस समय महोदय हमारे पास जो पर कैपिटा एभेलेबुल पानी था, वह एक हजार 594 था, महोदय आज हमारे पास वैसे तो हम 2050 तक निकाले हैं महोदय, मुझे बताने में समय चला जायेगा, महोदय तो हम बताना चाहते हैं कि 2050 में इस बिहार की स्थिति हो जायगी कि हमारे पास सिर्फ और सिर्फ 508 क्यूसिक मीटर पानी रहेगा और यह उम्मीद किया जा रहा है कि तकरीबन 110 प्रखंड आने वाले दिनों में बहुत ही संकट में होगा, करीब-करीब साउथ बिहार के डिस्ट्रिक्ट में तो आज अगर हम पानी के बारे में नहीं सोचेंगे, तो जो सोच हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने दिया है, जो सोच हमारे आदरणीय वित्त मंत्री जी ने दिया है, महोदय उस सोच के अनुसार अगर इस परियोजना को सामाजिक तौर पर नहीं लेंगे बजाय सरकारी तौर पर, तो आने वाला दिन बहुत ही संकट का दिन होगा और अगर अब कोई भी वार अगर देश में होने वाला है महोदय तो यह पानी पर ही होने वाला है, पानी के लिए लोग आपस में लड़ेंगे, मरेंगे, जब लोगों को पनी नहीं मिलेगा । महोदय हम एक दो चीज और कहना चाह रहे थे, इसलिए जो प्रोविजन है कि जितनी बारिश होती है, उसको हमलोग रन ऑफ वाटर कहते है, जितना पानी बरसता है, उस पानी को जमा करने के लिए महोदय इतनी अच्छी योजना है, हमारे जितने भी तालाब, आहार, पईन हैं, उसको कंपलीट रिनोवेशन करके पानी को जमा करें और महोदय पर-इयर हमलोग उतना ही वाटर रिचार्ज करते हैं, जितना इस्तेमाल होता है, आज के दिन में हमारा पूरा बिहार खुशनसीब है कि हमारे पास वाटर एभेलेबुल है, अगर आप चंडीगढ़ से कंप्रीजन करेंगे, हरियाणा से कंपेयर करेंगे महोदय, तो उसकी हालत यह है कि आने वाले दो सालों में इन दोनों राज्यों से पूरा पानी खत्म हो जायगा ।

क्रमशः

टर्न-9/सत्येन्द्र/27-02-20

श्री मेवालाल चौधरी (क्रमशः): महोदय, हम दो मिनट और समय लेना चाहेंगे एजुकेशन में महोदय। महोदय, उन्ययन प्रोग्राम एक ऐसा प्रोग्राम है महोदय, चूंकि ये प्रोग्राम हमलोग

आज से 30 साल पहले, उम्र के तीस साल पहले हमलोग युनाईटेड स्टेट ऑफ अमरीका में इस्तेमाल किये थे महोदय, वहां पर टीचर्स नहीं होते हैं पढ़ाने वाले, हमलोग कहते हैं टीचरलेस क्लास, महोदय टीचर को हमलोग तीन महीने के बाद देखते थे । यह उन्नयन क्लास वही क्लास है सर जिसमें पूरे कोर्स का कंटेन्ट एक सी0डी0 के अन्दर पूरा कोर्स पढ़ाया जाता है और जो भी आपके सवालात हैं जो भी आपके प्रश्न है उससे रिलेटेड आप सिम्पली पुश कीजिये, आप लिख दीजिये आपके पास उसका जवाब आ जायेगा। महोदय, अगर आज से हम बच्चों को इस तरह के स्मार्ट क्लास के रूप में डेवलप नहीं करेंगे और उस तरह का एक्सप्लोजर नहीं देंगे तो शायद जितना भी हमलोग खर्च कर रहे हैं अपने बच्चों पर, उसे उस लेवल पर नहीं ला पायेंगे तब महोदय, हमारे हिन्दुस्तान और हमारे बिहार के बच्चे बाहर जाकर क्वालिफाई करेंगे। महोदय और थोड़ा समय दे दें एक मिनट महोदय, हम यूथ की बात करना चाह रहे हैं महोदय, जितना खर्च यूथ पर हमलोग कर रहे हैं, सभी लोगों ने कहा हमारे माननीय सदस्यगण, हमारे नेता लोगों ने कहा कि यूथ हमारी बहुत बड़ी स्ट्रेंथ है महोदय, कौशल विकास के थ्रू हमलोग बनाना चाह रहे हैं आप लोग से निवेदन करना चाह रहे हैं, हमलोग जॉब के लिए क्यों परेशान हो रहे हैं, हमलोग इस बात के लिए क्यों न परेशान हो रहे हैं कि हम जॉब क्रियेटेड बने, हम जॉब देने वाले बने, हम नौकरी देने वाले बने, हम लेने वाले क्यों बने। महोदय, सरकार जो कदम उठायी है, स्कील डेवलपमेंट के थ्रू जितने भी पोलिटेकनिक कॉलेज खोले गये हैं, जितने भी आई0टी0आई0 सबडिवीजन लेवल पर खोले गये हैं, जितने भी इंडीभीजूअल लेवल पर खोले गये हैं महोदय, उसका इस्तेमाल करेंगे महोदय। महोदय, आपने समय दिया इसके लिए धन्यवाद।

सभापति(श्री मो0नेमतुल्लाह)अब भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्य श्री नितीन नवीन।

श्री नितीन नवीन : सभापति महोदय, जो बजट पेश हुआ है उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ । मैं सबसे पहले राज्य के माननीय मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को बधाई दूंगा कि जो बजट उन्होंने पेश किया है, उस बजट के माध्यम से उन्होंने अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरणें कैसे पहुंचे जो सपना आदरणीय दीन दयाल जी ने देखा था अंत्योदय का, अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण कैसे पहुंचे, उस ओर यह बजट सार्थक सिद्ध होगा। महोदय, अभी इस बजट को लेकर हमारे विपक्ष के साथी भी बोल रहे थे । मैं इसके लिए माननीय उपमुख्यमंत्री को बधाई दूंगा कि उन्होंने 15 साल का आईना दिखाने का काम किया है विपक्ष को, किस प्रकार के 15 सालों में उन्होंने कारनामे किये थे और 15 सालों में किस प्रकार से एन0डी0ए0 की सरकार ने विकास की पटरी पर इस राज्य को दोबारा लाने का

काम किया। बिहार का बजट जो 2004-05 की चर्चा हुई थी उस समय मात्र 23 हजार करोड़ का बजट था वहीं आज दो लाख करोड़ से ऊपर का यह बजट हो गया है और यह पूरी तरह से दिखाता है कि किस प्रकार बिहार को विकास की पटरी पर एन0डी0ए0 की सरकार ने लाया है, नीतीश कुमार और सुशील कुमार मोदी जी की सरकार ने लाया है। बेहतर वित्तीय प्रबंधन का नतीजा यह रहा सभापति महोदय कि आज बजट के हर विभाग को एक अच्छा आकार मिला है। उस विभाग के द्वारा विकास की जो चर्चा होनी चाहिए थी, हर विभाग में उसको बेहतर क्षेत्र, जगह मिला है। सबसे अधिक जिस विषय पर चर्चा होती है, हमारे कई साथी उस पर बोलते हैं शिक्षा विभाग पर, निश्चित रूप से यह विभाग सरकार की प्राथमिकता में सबसे ऊपर रहा है और सर्वाधिक रूप से 35 हजार करोड़ रू0 की बजट उसमें अंकित की गयी थी, जहां सड़कों की स्थिति पुराने समय में गड्ढ़े में परिणत थी और सड़कों की स्थिति सुधारने पर पुराने समय में मात्र 4 हजार करोड़ रू0 की बजट पूरे 1990 से 2006 के बीच में उन्होंने खर्च किया और आज आप देख सकते हैं कि केवल पथ निर्माण विभाग के सड़कों के लिए 17 हजार, 345 करोड़ केवल एक वित्तीय वर्ष में दिये जा रहे हैं। पंचायती राज में 10 हजार से अधिक करोड़ रू0 का फंड है, नगर विकास में भी 7 हजार से अधिक करोड़ का, स्वास्थ्य विभाग में 10 हजार से अधिक करोड़ रू0 का और इसी तरह से समाज कल्याण के अन्य विभाग जो अनुसूचित जाति के हैं, कमजोर वर्ग अल्पसंख्यक विभाग में भी 11हजार से अधिक करोड़, ये बजट पूरी तरह दिखाता है कि किस प्रकार से बिहार की सरकार ने नीतीश कुमार और सुशील कुमार मोदी जी की सरकार ने विभाग को छूने का काम किया और विकास की जो योजनायें हैं उसको हर जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने का, हर घर तक सड़क पहुंचे, हर टोले का सम्पर्क पथ बने, इसकी पूरी योजना इस बजट के माध्यम से देखने को मिल रही है । कल तक जिस समय राष्ट्रीय जनता दल की सरकार चलती थी तो लालटेन युग की बात हमलोग कहते थे तो इसलिए कहते थे कि चूंकि उसके सामने परिलक्षित हो रहा है कि उस समय बिजली के जो कंज्यूमर थे वह मात्र 24 लाख कंज्यूमर थे और आज बिहार में 1 करोड़, 58 लाख से अधिक कंज्यूमर है यानी लालटेन से एल0ई0डी0 का युग कैसे आया यह सामने दिखता है महोदय, साथ ही साथ इस पूरे विभागीय बजट में मैं देख रहा था सभापति महोदय कि आज सबसे बड़ी बात जो माननीय प्रधानमंत्री जी की सोच थी कि जलवायु संरक्षण के माध्यम से पूरी दुनिया को उन्होंने एक पटल पर लाने का काम किया । देश के जितने भी डेवलप कंट्री थे उन्होंने अपनी प्राथमिकता सूची में इस जलवायु संरक्षण को लाया और हम खुशनसीब हैं कि आज बिहार की

सरकार ने भी माननीय प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने जलवायु संरक्षण को सबसे प्राथमिकता में रखा और जल जीवन हरियाली के माध्यम से 24 हजार करोड़ का एक बड़ा बजट उस ओर दिया यानी केवल विचारों में ही नहीं उसको काम में उतारने का काम किसी ने किया तो नीतीश कुमार और सुशील कुमार मोदी की सरकार ने किया है । इसलिए सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने विपक्ष के साथियों से भी कहना चाहता हूँ कि कल तक लोग तालाबों को कब्जा करने में लगे रहते थे लेकिन आज विपक्ष के साथी भी चाहते हैं कि तालाबों को कब्जा से मुक्त किया जाय, पुराने कुएं को उद्धार किया जाय तो निश्चित रूप से इस पूरे योजना को मिशन मोड में 24 हजार करोड़ रू0 देकर सरकार ने कहीं न कहीं पूरी तरह से अपनी नीति को स्पष्ट किया है और उसके कार्यान्वयन कराने में लगी है । कल माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी इसकी घोषणा की है कि आने वाले 22 मार्च को जब बिहार दिवस होगा तो उस दिन एक दिन में 2.5 करोड़ वृक्ष लगाने की योजना सरकार बना रही है जो अपने आप में ऐसी चीजें हैं कि हम केवल शब्दों तक नहीं रहते हैं, हम उसे जमीन पर उतारने का काम करते हैं और यही नीतीश कुमार, सुशील मोदी की सरकार की सबसे पहली पहचान है। आज हमारे विपक्ष के साथी कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार है, निश्चित रूप से डबल इंजन की सरकार का फायदा हमलोग देख रहे हैं । जिस प्रकार से पटना के आर-ब्लॉक और दीघा रेलवे लाईन पर जो सड़क का निर्माण चल रहा है, रेलवे लाईन को हटाकर आज पटना में वहां 6 लेन की सडकें बन रही है और जिसमें करीब 4 सौ करोड़ रू0 से अधिक की राशि खर्च हो रही और इस सड़क को आने वाले समय में जे0पी0 सेतु, गंगा ड्राइब वे, एम्स दीघा ऐलिवेटेड सड़क से जोड़ने की योजना है जो इस ओर दर्शाता है कि पूरे राज्य के विकास और राजधानी के विकास का पूरा खाका सरकार ने बनाकर उस पर काम कर रही है । महोदय, अभी कल हमारे नेता प्रतिपक्ष कह रहे थे कि डबल इंजन सरकार का मतलब, मुझे तो लगता है कि राजद सरकार के जो दो रत्न थे वे भ्रष्टाचार और अपराधी थे, सभापति महोदय और उन्हीं दो अनमोल रत्न को उन्होंने बढ़ाने का काम किया । हमारी डबल इंजन की सरकार का मतलब होता है विकास और सुशासन, जहां एक ओर नरेन्द्र मोदी सरकार देश के हर राज्यों को पूरी प्राथमिकता देती है, वहीं हमारी नीतीश कुमार सुशील मोदी जी सरकार राज्य के हर जिलों को उसे प्राथमिकता सूची से जोड़कर विकास की किरणों को हर गांव तक पहुंचाने में लगी है। हमलोग जहां एक ओर बेरोजगारी की बात करते हैं, मुझे लगता है कि नेता प्रतिपक्ष को सिफ अपने कार्य की चिन्ता है बिहार के बेरोजगारों की नहीं, कहीं न

कहीं जो रोजगार का जो अवसर मिल सकता था, चाहे वह स्कील इंडिया के माध्यम से हो, कौशल विकास के माध्यम से हो, चाहे पोलिटेकनिक इंजीनियरिंग कॉलेज के माध्यम से हो, उनके समय में क्या स्थिति थी स्कूलों की जिसकी चर्चा अभी हमारे पूर्व के वक्ता कर रहे थे कि चरवाहा विद्यालय, चरवाहा विद्यालय निश्चित रूप से बिहार के लिए कलंक था और निश्चित रूप से आज भी बिहार की बदनामी की चर्चा होती है तो उस चरवाहा विद्यालय की भी चर्चा होती है । महोदय, हमारे कई चीजें जो नली गली योजना के माध्यम से हर शहर के गांव के सड़कों को जोड़ने की योजना जो माननीय मुख्यमंत्री जी ने लायी आज उसका परिणाम था कि हर पंचायतों, हर बार्डों में एक साथ सभी क्षेत्रों में काम शुरू हुआ और हम देख रहे हैं जो योजनाएं आयी है और जो काम चल रहा है उसमें निश्चित रूप से 2020 तक राज्य के हर सड़कों को, प्रमुख सड़कों और गलियों को, मुहल्ले को जो पक्की सड़कों से जोड़ने की योजना है, वह निश्चित रूप से सफल होगी।(क्रमशः).

टर्न-10/मधुप-हेमंत/27.02.2020

..क्रमशः..

श्री नितीन नवीन : सभापति महोदय, अभी हमारे सरकार ने जहॉ 319 सरकारी विश्वविद्यालय और कॉलेजों को निःशुल्क वाई-फाई से जोड़ने की योजना लाई है उस योजना की सुविधा का लाभ हमारे बिहार के छात्र और छात्राएँ उठा रही हैं । युवाओं के लिए जहॉ एक ओर वाई-फाई से जोड़ने की योजना भी बनाई गई, वहीं उनकी उद्यमिता को भी बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रू0 का बेंचर कैपिटल फंड का प्रावधान किया गया जिसके माध्यम से अपने बिहार के युवा अपने रोजगार के लिए खुद स्टार्ट-अप योजना के तहत आगे बढ़ सकते हैं ।

महोदय, एक ओर माननीय उप मुख्यमंत्री जी का, माननीय वित्त मंत्री जी का मैं ध्यान जरूर ले जाना चाहता हूँ कि बिहार के विकास में शहर और गॉव को आपने हमेशा प्राथमिकता में रखा है और आपने राज्य के विकास में हर क्षेत्र में काम किया है । जहॉ एक ओर आपने नगरीय क्षेत्र में भी काम किया है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी काम किया है । निश्चित रूप से शहरी क्षेत्र के विधायकों के लिए बड़ी अपेक्षा रही है कि मुख्यमंत्री शहर विकास योजना को भी अगर इस सूची में हम देखते तो बहुत हमलोगों को खुशी होती । हम चाहते हैं कि आने वाले दिनों में निश्चित रूप से इस योजना को भी आप अपनी सूची में डालेंगे तो निश्चित रूप से विधायकों के माध्यम से भी जो शहरों के विकास का खाका खींचा जा रहा है, उसमें हम भी सफल हो पायेंगे ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : शांत रहें । आपका टाईम आयेगा तो बोलिएगा ।

श्री नितीन नवीन : महोदय, विपक्ष के साथियों के पास जो समय मिला, 1960 से लेकर 2005 तक मात्र 3-4 इंजीनियरिंग कॉलेज इनके खाते में रहे लेकिन जब हमारी सरकार बनी तो आज सभी जिलों में इंजीनियरिंग कॉलेज है । यही है नीतीश कुमार और सुशील कुमार मोदी की सरकार की पहचान । पॉलिटेक्निक कॉलेज की जो संख्या है, हर जिले में आज पॉलिटेक्निक कॉलेज हमारे पास है । जिस मेडिकल क्षेत्र की बात कर रहे थे, मेडिकल के क्षेत्र में पहले मात्र एक मेडिकल कॉलेज था जबकि 2005 से 2020 के बीच 15 सालों में 15 मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं । कहीं न कहीं यह दिख रहा है कि सरकार का बजट विकास के हर क्षेत्र में जा रहा है । मेरे जितने भी साथी चर्चा कर रहे थे, विपक्ष के एक साथी ने अभी थोड़ी देर पहले कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हम कुछ योजनाओं तक ही सीमित हैं । मेरा मानना हो कि आज प्राथमिक शिक्षा हो, उच्च शिक्षा हो, माध्यमिक शिक्षा हो, हर क्षेत्र में पूरी तरह से जहॉ एक ओर इंफ्रास्ट्रक्चर का भी ध्यान दिया गया, वहीं उसकी गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया गया है । माननीय मुख्यमंत्री जी ने कल बड़ा ही एक इम्पौंटेंट विषय रखा कि आने वाले समय में पोर्न साइट्स पर प्रतिबंध लगे । निश्चित रूप से यह एक सार्थक कदम है, पर मैं आपके माध्यम से सरकार को भी सुझाव देना चाहूंगा कि आने वाले समय में नैतिक शिक्षा को निश्चित रूप से पाठ्यक्रम में शामिल करके इस ओर भी कहीं न कहीं एक सार्थक कदम उठ सकता है ।

(व्यवधान)

हमारे विपक्ष के साथियों की जो अपनी पुरानी आदत रही है, उसी आदत से ये आज भी लाचार हैं । डेवलपमेंट के माध्यम से जो काम होते हैं, भ्रष्टाचार में कौन और किनके लोग कहॉ आज हैं, यह सभी को पता है ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : शांत रहें ।

श्री नितीन नवीन : राजद और कांग्रेस गठबंधन की सरकारों के लोग आज कौन-कौन कारनामे करके कहॉ-कहॉ जेल में हैं, यह सब लोग जानते हैं पर नरेन्द्र मोदी की सरकार और नीतीश कुमार - सुशील मोदी की सरकार के सभी मंत्री आज पूरी तरह से काम करने में लगे हैं और कहीं पर एक भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं है और मंत्रियों द्वारा किए गए काम पर जो अभी टिप्पणी आ रही थी कि हमारे पथ निर्माण मंत्री पर क्यों कार्रवाई किया गया । अरे, पथ निर्माण मंत्री ने ऐसा कारनामा ही किया था कि उनको सुशोभित किया गया था ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : ठीक है, नवीन जी, आपका समय पूरा हो गया है ।

श्री नितीन नवीन : सभापति महोदय का भी मैं धन्यवाद करता हूँ और माननीय उप मुख्यमंत्री जी को विशेष रूप से बहुत-बहुत बधाई देता हूँ ।

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : बैठिए-बैठिए । आपका टाईम आएगा तो बोलियेगा । शांत रहिए। दोजाना जी, बैठिए ।

इंडियन नेशनल कांग्रेस के माननीय सदस्य श्री आनंद शंकर सिंह जी । 10 मिनट टाईम है आपका ।

श्री आनंद शंकर सिंह : महोदय, जिस प्रकार से 2020-21 का जो हमारा बिहार का 2,11,761 करोड़ का बजट पेश किया गया है तो मैं बधाई देता हूँ सरकार को लेकिन महोदय, किसानों के लिए इस बजट में क्या है, खासकर वैसे किसानों के लिए जहाँ पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जहाँ जल स्तर बहुत ही निचले स्तर पर है और अभी तो जिस समय में हमलोग बैठे हैं, सबसे बड़ी समस्या तो धान अधिप्राप्ति की है । किसान का फसल कटकर घर आ चुका है और कोई लेने वाला तंत्र मौजूद नहीं है । अगर अधिप्राप्ति हुई भी तो आप यह समझ लीजिए कि पैक्स के द्वारा जो चावल दिया जाता है सरकार को, एस0एफ0सी0 को, उसको उतरवाने की सुविधा उपलब्ध नहीं है, सरकार के पास भंडारण की क्षमता नहीं है और गाड़ियाँ जाकर 10-10 दिन, 5-5 दिन खड़ी हो जाती हैं, डिटेंशन का तो मामला अलग है । आज यह स्थिति है । जहाँ तक बात है, जिस प्रकार से मौसम का मिजाज हमलोगों को देखने को मिल रहा है, हर 10 दिन पर, 5 दिन पर बारिश हो जा रही है, आप यह समझ सकते हैं कि किसान तो सारा धान अपना बेच चुका, बिचौलिओं के हाथों बेच चुका, बाजार में बेच चुका और आज यह स्थिति है, चाहे पैक्स हों, चाहे व्यापार मंडल हों, किसानों से कागज, उनका जो रसीद है, एल0पी0सी0 है, बीच की स्थिति यह है कि उनलोगों से चेक ले लिया जाता है कि आपके एकाउंट में पैसा जायेगा, कुछ पैसा रख लीजिएगा और बाकी पैसा हमको रिटर्न कर दीजिएगा, उस आधार पर कागज का तहसीली हो रहा है । आप यह समझ लीजिए क्या स्थिति है, किसानों का भला करने चला है यह बजट, किसानों की स्थिति पर कोई नजर है कि नहीं सरकार की, उसपर हमलोग बात कर रहे हैं । वैसे इलाके जहाँ सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है, वहाँ सरकार क्या कर रही है ? जो बरसाती नदियाँ हैं, उनपर कितने चेक-डैम बने और उनसे कितने किसानों का भला हुआ, इसपर कोई बात करने को तैयार नहीं है । जो गाँव, जो इलाके नहरी व्यवस्था के अन्तर्गत हैं, जहाँ पर पानी की सुविधा उपलब्ध है, वहाँ की चर्चा तो चली लेकिन जहाँ यह व्यवस्था नहीं

है, वहॉ के लिए क्या व्यवस्था की गई है, इसकी भी जरा जानकारी हमलोगों को मिल जाती तो भला होता । मेरा यह आग्रह होगा कि जो बरसाती नदियॉ हैं, उनपर चेक-डैम बनाकर वैसे इलाकों को जहॉ सिंचाई की सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है, आपका दोनों, जो जल-जीवन-हरियाली के तहत जो आपने बीड़ा उठाया है कि पूरे बिहार में पानी का हमलोग जल संचयन करेंगे तो एक तो जल संचयन भी हो जाता और वाटर लेवेल में भी सुधार आता और वहॉ के आसपास के किसानों को भी सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था हो जाती लिफ्ट इरीगेशन के माध्यम से ।

महोदय, स्वास्थ्य विभाग जो महत्वपूर्ण विभाग है, मैं औरंगाबाद के ही कंटेक्स्ट में कहना चाहूंगा और कमोवेश यही स्थिति होगी सब जगह, मैं यह मानता हूँ कि हमारे यहॉ 40-42 डॉक्टरों का सदर अस्पताल में सीट रिक्त है । 4-5 डॉक्टरों के भरोसे जिले का मॉडल अस्पताल, सदर अस्पताल 4-5 डॉक्टरों के भरोसे चल रहा है । ऐसे-ऐसे पीच0एच0सी0 हैं, एक एडीशनल पी0एच0सी0 है सुदूर ग्रामीण इलाके में, नक्सल इलाका है हमलोगों का, छुछिया दुलारे 6 बेड का हॉस्पीटल है । महोदय, जानकारी ले लिया जाय कि आज तक वह हॉस्पीटल खुला कि नहीं खुला । 6 बेड का हॉस्पीटल है, उस हॉस्पीटल के लिए वहां पर सब लोगों की तैनाती की हुई है लेकिन मुझे नहीं लगता है कि आज तक वह हॉस्पीटल खुला होगा । एक-एक कर्मचारी जो 10-10 वर्षों से एक ही जगह पर टिका हुआ है, तो क्या स्थिति है स्वास्थ्य विभाग की, डॉक्टरों के लिए डिमांड करते-करते हमलोग थक गए, पिछले 4-5 सालों से यही सुनने को आ रहा है कि आज बहाली होगी, कल बहाली होगी, तो आखिर क्या व्यवस्था किया गया है, उसकी भी जानकारी हमलोगों को मिल जाती तो ज्यादा अच्छा रहता ।

शिक्षा विभाग का हाल यह है, कई ऐसे गॉव हैं, जहॉ प्राथमिक विद्यालय का भवन नहीं है और यह जानकर आश्चर्य होगा कि सरकार की तरफ से यह एडवाइजरी जारी की गई है कि जहॉ भवन नहीं है उसको निकटतम किसी विद्यालय से जोड़ दीजिए, वहॉ के छोटे बच्चे, प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चे कौन होंगे, कितने साल के होंगे, क्या एज होगा उनका ! उनको आपने यह व्यवस्था करा दी कि 4 कि0मी0 दूर, 5 कि0मी0 दूर, कहीं नहर पार करके, कहीं सड़क पर जाकर आप जाइये 4-5 कि0मी0 दूर पढ़ने के लिए क्योंकि आपके गॉव में सरकारी भवन नहीं है, विद्यालय के लिए भवन नहीं है, इस कारण से ।

...क्रमशः...

टर्न-11/आजाद/27.02.2020

..... क्रमशः .....

श्री आनन्द शंकर सिंह : क्योंकि आपके गांव में सरकारी भवन नहीं हैं, विद्यालय के लिए भवन नहीं हैं, इस कारण से कितनी दुर्घटनाएं घट रही हैं । हम लोगों को डेली फोन आता है कि बच्चों को बच्चों को चार किलोमीटर, पांच किलोमीटर प्राथमिक विद्यालय में, प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के लिए जिस राज्य में जाना पड़ता हो तो दुर्दिन नहीं कहा जायेगा तो क्या कहा जायेगा आप बताइये । जिस प्रकार से विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है जहां सामुदायिक भवन हैं महोदय । वहां कम से कम बच्चों को सामुदायिक भवन में ही पढ़ाने के लिए छोड़ दिया जाये, कम से कम दुर्घटना से तो बचेंगे और इस एडवाइजरी के कारण कितने ऐसे बच्चें है, जिनके गार्जियन डर कर उनको दूर नहीं भेजना चाहते और उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है । इस पर संज्ञान सरकार को लेना चाहिए कि चार-चार, पांच-पांच किलोमीटर दूर 3 साल के बच्चे, 4 साल के बच्चे, 5 साल के बच्चे कैसे जायेंगे और जहां सामुदायिक भवन है, जहां कोई सरकारी भवन है वहां पर क्यों नहीं एडवाइजरी जारी किया जाता है जहां पर सरकारी भवन है, वहां पर बच्चों को क्यों नहीं पढ़ाया जाये । शिक्षकों की कमी तो समझ में आ ही रहा है लेकिन उसके साथ बच्चों को दूर जाना है । सबसे बड़ी दुविधा तो बच्चों को दूर जाना है । दूसरा जिस प्रकार से देखा मैंने कि ग्रीन बजट में पर्यावरण को जैसे हम हॉल लेते हैं तो उसमें पर्वत, नाले, पहाड़, नदियां सब उसमें आती है । जब हम जल-जीवन-हरियाली की बात करते हैं तो एक ओर हमने पहाड़ों पर बैन लगा दिया कि पत्थर का खनन नहीं होगा, गिट्टी का खनन नहीं होगा तो नदियों के साथ हम लोग क्यों यह ज्यादती कर रहे हैं सर । वैसी नदियां जिनमें बालू नाम पर कुछ बचा नहीं है क्यों हम लोग उनके साथ दोहन करने का काम कर रहे हैं जो आसपास के इलाके हैं वहां का जल स्तर इतना, मैं औरंगाबाद का ही एग्जाम्पुल देना चाहूंगा बटाने है, अदरी है, बतरी है ऐसी नदियां हैं जो बरसाती नदियां हैं जिनमें बालू बची ही नहीं है और उसको भी लीज करने के लिए आप लोग आतुर हैं आज की स्थिति यह है कि आसपास के गांवों में जल संकट बढ़ गया है और औरंगाबाद तो क्षेत्र ऐसा है कि अगर पानी, पेयजल की व्यवस्था भी नहीं हो पा रही है । अभी लोकल में पानी की व्यवस्था कराने की बात कही गयी थी पता चला की सोन से पानी लाया जायेगा औरंगाबाद के शहरी इलाकों में पानी देने के लिए । तो जब ये स्थिति है पेयजल हम लोगों को सोन से लाना पड़ेगा तो हम लोग उन नदियों को संरक्षित करने का काम क्यों नहीं कर रहे हैं उन नदियों से लोग बालू तो छोड़िये मिट्टी तक बेचने का काम कर रहे हैं लीज होने के कारण । तो मेरा ये आग्रह होगा

कि छोटी नदियों को कम से कम रहने दिया जाये । जब हम लोग पत्थर पहाड़ को रोकने की बात कर रहे हैं, पर्यावरण को बचाने की बात कर रहे हैं तो कम से कम नदियों की तरफ भी ध्यान देना होगा । महोदय ग्रामीण सड़कों की स्थिति की जो बात है निश्चित रूप से गुणवत्ता में कमी आयी है तो उसमें चार चांद लगाने का काम कर दिया गया है । आप जितना बीलो जा सकते हैं । पहले था कि कंट्रैक्टर 10 परसेंट जा सकता था, आज के दिन में छूट मिल गया 25 परसेंट, 30 परसेंट, नवसिखिया लोग 35 परसेंट बीलो चले जायेंगे, बताईए कि गुणवत्ता प्रभावित होगी या नहीं होगी । जब सरकार को यह लागू करना है कि आप इतना बीलो जाईयेगा तो सरकार उसी पर क्यों नहीं टेंडर निकाल देती है, बीलो जाने का उसमें क्यों रहता है । कंट्रेक्टर बीलो जायेगा, वह जितना बीलो जायेगा, उसको हमलोग टेंडर करेंगे । वह अर्हता पूरा करेगा, वही क्वालिफाई करेगा उसमें तो एक तो ऐसी ही गुणवत्ता में कमी है, आगे से बनाता जा रहा है और पीछे से टूटता जा रहा है । सड़कों में पैसा खूब आया । सड़क बन रही है लेकिन स्थिति यही है कि सड़क बनती जा रही है और पीछे से टूटती जा रही है और पदाधिकारियों को इतनी चिन्ता नहीं है, वो तो हमको लगता है कि डी0पी0आर0 भी बनाते हैं तो सड़क पर जाते हैं या नहीं जाते हैं । पुल 32 फीट चौड़ा पुल का निर्माण होना है, आज स्थिति यह है कि वहां 17 फीट जगह है, अब 32 फीट का पुल कैसे बना लीजियेगा, जहां पर 17 फीट जगह है सरकारी जगह । एक एलाईमेंट है हमलोगों का मौलानगर का औरंगाबाद विधान सभा की बात कर रहा हूँ सदर प्रखंड में , रोड का एलाईनमेंट ही ऊलटा हो गया, कौन पदाधिकारी गये, किसने एलाईनमेंट किया, किसने डी0पी0आर0 बनाया, क्या चेक किया, आज स्थिति यह है कि वो मौलानगर जो गांव है, टापू है, चारों तरफ से नदियां हैं और बरसात के दिनों में निकलने के लिए सड़क की व्यवस्था नहीं है । पिछले डेढ़ साल से वह सड़क ऐसे ही पड़ा है, क्यों भाई ? एलाईनमेंट उसका गलत हो गया, यह तो स्थिति है सरकार की और पदाधिकारियों की । महोदय, मैं आग्रह करूंगा कि इस तरह से कम से कम एलाईनमेंट अगर गड़बड़ भी हुआ है, अगर वहां से सुधार के लिए आया हुआ है उसको जल्द से जल्द सुधार कराकर के उस टापूनुमा जगह को कम से कम रोड से एसैसेबुल कराईए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो । यह चीजें हैं महोदय। ग्रीन बजट में यही आग्रह होगा कि ...

सभापति(श्री मो0 नेमतुल्लाह) : हो गया बैठिए, एक मिनट में खतम कीजिए ।

श्री आनन्द शंकर सिंह : वैसे जगहों को चिन्हित किया जाय, जहां सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं है, जहां पानी की कमी है, बरसाती नदियों पर चेक डैम का निर्माण कराकर के हमलोगों के यहां औरंगाबाद और औरंगाबाद प्रखंड, देव प्रखंड, मदनपुर प्रखंड,

रफीगंज ऐसे प्रखंड हैं, जहां कोई व्यवस्था नहीं है तो कम से कम बरसाती नदियों पर चेक डैम का निर्माण कराकर जलस्तर भी मेनटेन होगा और किसानों को सिंचाई के लिए सुविधा उपलब्ध होगी महोदय । यह आग्रह होगा हमारा सरकार से, इन्हीं सब बातों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ ।

सभापति(श्री मो0 नेमतुल्लाह) : धन्यवाद । राष्ट्रीय जनता दल के माननीय सदस्य श्री प्रह्लाद यादव जी ।

श्री प्रह्लाद यादव : सभापति महोदय, 2020-21 का जो बजट पेश किया गया है, मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ ।

सभापति(श्री मो0 नेमतुल्लाह) : 10 मिनट में खतम कीजिए, आपका 10 मिनट टाईम है ।

श्री प्रह्लाद यादव : सभापति महोदय, अभी तो शुरू भी नहीं किये और आप 10 मिनट पहले ही संकेत दे दिये । मैं इस संबंध में माननीय वित्त मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि आपने 12.5 परसेंट जी0डी0पी0 की चर्चा की है, 12.5 परसेंट जब है तो बेरोजगारी क्यों बढ़ रहा है तो बेरोजगारी उसके हिसाब से तो घट जाना चाहिए । जो पलायन हो रहा है, वह भी घट जाना चाहिए । आपने पिछले बजट में जो पैसा का प्रावधान किया था, उसका खर्च का ब्यौरा नहीं है । अभी तक आपने विभिन्न विभागों में कितना पैसा खर्च किया है और कितना 31 मार्च जाते-जाते सरेंडर हो जायेगा । इसकी निश्चित रूप से चर्चा होनी चाहिए । यह जरूरी है चूँकि कैसे सदन जानेगा कि पिछला पैसा खर्च हुआ है या नहीं हुआ ? यह ठीक है कि आप हर साल बजट में वृद्धि किये हैं लेकिन पिछले साल का वह उपयोग में आया है या नहीं, इसकी जानकारी होना बहुत जरूरी है । मैं आग्रह करूंगा कि आपका जब उत्तर होगा तो निश्चित रूप से इसका जवाब आना चाहिए । जहां तक जल, जीवन, हरियाली की बात है, मैं एक बात बता देना चाहता हूँ, मैं सुबह में भी जल, जीवन, हरियाली पर एक प्रश्न भोला बाबू का आया था, चर्चा हुई । हम भी चाहते हैं कि जल, जीवन, हरियाली का जो प्रोग्राम है, अच्छा है, सबों के लिए हित की बात है । लेकिन दु:ख की बात यह है कि लखीसराय जिला में करीब 2 एकड़ में तालाब जिसमें पानी भरा हुआ है, लखीसराय जिला के पिपरिया प्रखंड के मोहनपुर गांव के रामचन्द्रपुर मौजा में और उस तालाब को अतिक्रमण करके आज 10 दिनों से उस तालाब को भरा जा रहा है, मैंने इसकी सूचना माननीय मंत्री जी, राजस्व मंत्री जी को भी दिये, प्रधान सचिव को भी दिये, मुख्य सचिव जी को भी लिखित में दिये हैं, मौखिक नहीं कहे हैं । डी0एम, लखीसराय, अंचलाधिकारी, पिपरिया सबको हमने सूचना दिया, लेकिन आज तक वह बन्द नहीं हुआ है, वह सरकारी जमीन है, उसमें पानी पूरा भरा हुआ है, आखिर क्यों, इसका क्या मतलब है ? क्या सत्ता पक्ष के लोग अतिक्रमण करें तो

उसपर कोई कार्रवाई, कोई कानून नहीं, अगर विपक्ष थोड़ा सा भी गलती करे तो उसपर हाय-तौबा, इस तरह से नहीं होना चाहिए । अगर न्याय है तो सबके लिए है । दूसरी बात हम कहना चाहते हैं कि बदले की भावना से सरकार को काम नहीं करना चाहिए । मुँगेर प्रमंडल में जो स्थिति है, वह स्थिति बड़ा दयनीय है ।

...... क्रमशः ....

टर्न-12/शंभु/27.02.20

श्री प्रहलाद यादव : क्रमशः....एक थाना अध्यक्ष जो लखीसराय जिला के चानन थाना में हैं वे पहले चानन में ही थाना अध्यक्ष थे उनको हटाकर के पिपरिया थाना दिया गया । पिपरिया थाना में जाकर उन्होंने आम पब्लिक से गाली-गलौज, मारपीट, नाजायज फंसाना इस तरह का काम किया । इसका वायरल विडियो हम डी0जी0पी0 साहब को जाकर दिये तब वहां से उस आदमी को हटाया गया, 10 दिन के लिए पुलिस लाइन दिया गया और पुनः वही चानन थाना में दिया गया और वहां जाने के बाद एक ट्रक एशोसियेशन के नेता हैं उनके साथ वही व्यवहार किया । उसके साथ गाली-गलौज, मारपीट और झूठा केस में फंसाया । इसी तरह से एक केस हाल में हुआ है 16/2020 चानन थाना में वह केस बिलकुल फौल्स है और एक जात को टार्गेट करके इस तरह से फंसाने का काम पूरा हो रहा है । यहां तक कि हमलोग भी टार्गेट में हैं, ऐसी बात नहीं है । अब माननीय सदस्य अगर वाजिब बात बोलें उसपर टार्गेट बनाया जाय, इस तरह का काम किया जाय तो क्या सरकार यह बदले की भावना नहीं कर रही है । इस तरह से बदले की भावना नहीं होनी चाहिए, मैं चाहूंगा कि इसकी जॉंच हो । 14 थाना है लखीसराय जिला में और 14 थाना में पिछले साल से कौन-कौन लोग थानेदारी कर रहे हैं उसकी भी आप रिपोर्ट ले सकते हैं । इस तरह का भेदभाव दुर्भाग्यपूर्ण है । जहां तक बदले की भावना की बात हम बता रहे हैं इसलिए बता रहे हैं कि इस तरह से कई कांड वहां हो चुका है । आप कहते हैं न्याय के साथ विकास तो यह न्याय है या विकास है यह आपलोग समझ सकते हैं । इस तरह का घिनौना काम नहीं होना चाहिए जो लखीसराय में हो रहा है । दूसरी बात सितम्बर, 2019 को लखीसराय जिला के पिपरिया प्रखंड में बाढ़ आई तो कई पंचायत के कई गांव में घर तक पानी चला गया और सब डूब गया, बर्बाद हो गया, लेकिन जिसकी क्षति हुई, बर्बादी हुई उनको आपदा से राशि नहीं मिली- कहां मिला मोहनपुर गांव में जिसके घर में पानी नहीं गया था । इतना ही नहीं वहां फर्जी वोटर बनाकर के बाढ़ राहत का पैसा बांटा गया । वहां बच्चा से लेकर बूढ़ा तक और जो बाहर में रहता है, नौकरी करता है, इस तरह से करोड़ों रूपया वहां फर्जी

करके सी0ओ0 और ग्रामीण जो प्रतिनिधि होता है, दोनों मिलकर के किया है । इसकी जॉंच होनी चाहिए, निश्चित रूप से जॉंच होनी चाहिए । हमने जिला प्रभारी से, सी0ओ0 से कहा कि लाभार्थी का आप लिस्ट दीजिए, लेकिन आज तक लिस्ट उपलब्ध नहीं कराया गया, इसलिए क्योंकि उसमें भारी गड़बड़ी है । इसलिए हम मांग करते हैं कि इसकी भी जॉंच होनी चाहिए । जब तक जॉंच नहीं होगा तो हम समझते हैं कि न्याय नहीं मिलेगा तो इस तरह से आप जो कहते हैं कि हम न्याय के साथ विकास करते हैं तो कैसा न्याय है ? आखिर न्याय करते हैं तो सबका न्याय कीजिए, ठीक है हम गलती करते हैं आप दंडित कीजिए, लेकिन जब हम गलती नहीं करेंगे और किसी बहाने से आप बदले की भावना से इस तरह का काम कीजियेगा तो यह लोकतंत्र तो नहीं रहा । एक जनप्रतिनिधि को इस तरह से......थोड़ा बोलने दीजिए, अभी हमारा समय कहां हुआ है ?

सभापति(श्री मो0नेमतुल्लाह) : अब समाप्त करें ।

श्री प्रहलाद यादव : एक बात हमने पिछले सत्र में टोपो जमीन के बारे में बताया था और गैर मजरूआ माली जमीन के बारे में उसका पहले से बंदोबस्ती और रजिस्ट्री सबकुछ हो रहा था जिससे किसान को कोई प्रोब्लम नहीं था । आप चले जाइये बक्सर से लेकर कहलगांव तक लाखों एकड़ जमीन है, भाई आप उसका निदान नहीं कर रहे हैं । किसान को जो जमीन पर लोन लेना था या सुविधा लेना था वह सरकार से नहीं मिल रहा है, आखिर आप क्या चाहते हैं ? या तो आप कह दीजिए कि यह सरकार की जमीन है आपलोग भाग जाइये यहां से तो भाग जायेगा, उसका जल्दी निदान होना चाहिए । एक आपका राजेन्द्र पुल है 6-7 महीना से बंद है और लाखों ट्रक बंद है, ट्रक मालिक बेहाल है लोन पर ट्रक लेकर के, उत्तर बिहार जाने का वही एक रास्ता है और तमाम जरूरत के सामान का आना-जाना बंद है । वही रास्ता है जो उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार को जोड़ता है । हम चाहेंगे सरकार से कि जब डबल इंजन की सरकार है तो उसको कम से कम चालू करवाया जाय ताकि जो 6 महीना से असुविधा हो रही है, अगर सामान भी लेकर जाना पड़ता है तो भागलपुर से जाना पड़ता है ।

सभापति(श्री मो0नेमतुल्लाह) : अब आप समाप्त कीजिए ।

श्री प्रहलाद यादव : बस एक मिनट में समाप्त कर दूंगा ।

सभापति(श्री मो0नेमतुल्लाह) : ठीक है, अपनी बात रखिये 1 मिनट में ।

श्री प्रहलाद यादव : जी एक मिनट में खतम कर देते हैं । ग्राम कचहरी सचिव जो होता है या कृषि सलाहकार वह बेचारा बहुत पहले से काम कर रहा है । उसका मानदेय कितना है जानते हैं मात्र 6 हजार वित्त मंत्री जी यहां पर मौजूद हैं, उनसे आग्रह करेंगे कि

उसको नौकरी भी करने के लिए कहेंगे तो वह नहीं जायेगा चूंकि वह उसके लायक ही नहीं रहा, इसी में समय दे दिया है और कृषि विभाग को एवार्ड भी उन्हीं के परिश्रम से मिला है उनका मानदेय कम से कम 10 या 12 हजार कर दीजिए ताकि उसको भी संतुष्टि हो जाय । यह बहुत जरूरी है, गरीब आदमी है तो इस तरह से जो समस्या आ रही है निश्चित रूप से मैं चाहूंगा कि सरकार इसपर ध्यान दे और जो बदले की भावना है आपका ग्रामीण सड़क जो है जो गांव की सड़क है उसपर थोड़ा विशेष ध्यान दीजिए चूंकि आपका ग्रामीण सड़क ठीक ढंग से नहीं चल रहा है। इसलिए उसको ठीक कीजिए, ठीक कीजियेगा ठीक रहेगा । इन्हीं शब्दों के साथ मैं सभापति जी को अपनी ओर से समय देने के लिए धन्यवाद देता हूँ ।

सभापति(श्री मो0नेमतुल्लाह) : अब जनता दल युनाइटेड के माननीय सदस्य श्री रत्नेश सादा जी।

श्री रत्नेश सादा : सभापति महोदय, मैं 2020-21 के आय-व्ययक बजट भाषण के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । महोदय, पहले मैं कबीर की वाणी से शुरूआत करता हूँ । कबीर की वाणी है कि कबीर मिले धर्मदास को लिख परवाना दीन, आदि अन्त की वार्त्ता गुरू शब्दे में कह दीन । महोदय, कबीर के रूप में मैं नीतीश कुमार जी को देख रहा हूँ । जो कबीर इस संसार में जातिवाद, भेदभाव, ऊंचनीच, गरीब-अमीर की खाई को पाटने का काम किया था अपने ज्ञान के संदेश से और उस चीज को धर्मदास अनुकरण करके पूरे संसार में फैलाने का काम किया उसी तरह से नीतीश कुमार गरीब अमीर के बीच की खाई को पाटने का काम किया, सभी विभाग में खाई को पाटने का काम किया, सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए विकास का काम किया और उसको धरातल पर लाने के लिए धर्मदास के रूप में माननीय उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी को देख रहा हूँ । महोदय, आजादी के 70 साल बीतने के बाद जब 2005 में हमारी सरकार आई तो उस समय रोता हुआ बिहार था, बिलखता हुआ बिहार था, सड़क में गड्ढा वाला बिहार था, हॉस्पीटल में कुत्ता भूकता था और स्कूलों में पशु, घोड़े बांधे जाते थे । उस समय के बिहार को पटरी पर लाने के लिए हमारे माननीय मुखिया नीतीश कुमार और धर्मदास के रूप में सुशील कुमार मोदी ने सड़क बनवाने का काम किया, पुल-पुलिया बनवाने का काम किया, रोड बनवाने का काम किया । महोदय, इतना ही नहीं हर पंचायत में प्लस टू स्कूल खोलवाने का काम किया ।

क्रमशः

टर्न-13/27-02-2020/ज्योति-मुकुल

क्रमश:

श्री रत्नेश सादा : इंजीनियरिंग कॉलेज खोलवाने का काम किया, मेडिकल कॉलेज खोलवाने का काम किया । मैं इनसे पूछना चाहता हूँ कि इनके राज्य में खुलता था, चरवाहा विद्यालय, इनके राज्य में कहा जाता था आम जनता को कि अगर सड़क बन जायेगी तो पुलिस वाले पकड़ लेंगे, तुम गांजा बेचोगो तो पुलिस वाला तुम्हारे दरवाजे पर चला जायेगा । इस तरह का भ्रम फैला करके इन्होंने 15 वर्ष राज किया तो जो पहले भयमुक्त राज्य था महोदय, और उस समय दलित और महादलित को कभी किसी को बाल काट देता था, कभी किसी को नहला देता था, यह था इनका विकास और नीतीश कुमार के राज में दलित और महादलित पिछड़ा और अति पिछड़ा बच्चों के लिए पोशाक राशि, साईकिल की योजना और मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना की व्यवस्था है । यह हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और धर्मदास सुशील कुमार मोदी का काम है। आज माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सामाजिक सरोकार के लिए, इन्होंने शराब बंदी, नशा मुक्त, दहेज प्रथा और इतना ही नहीं महोदय, हर घर के लिए पक्की गली की व्यवस्था जो गरीब-गुरबा के गांव तक वाहन नहीं जाता था । आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अथक प्रयास और सुशील कुमार की मेहनत से वह गांव तक चार चक्का गाड़ी जाती है और इनके राज में सड़क गढ्ढा में तब्दील थी । इतना ही नहीं माननीय महोदय, हमारे अल्पसंख्यक समाज के लोग जो बोल रहे हैं, मैं इनसे कहना चाहता हूँ कि आपके लालू जी के शासन काल में आपके लिए क्या किया ? नीतीश कुमार ने 8 हजार कब्रिस्तान की घेराबंदी कर दिया । हज भवन बना दिया । आपको विदेश जाने के लिए, मक्का-मदीना जाने के लिए उसमें सब्सिडी सरकार देती है और आपके राज में क्या मिलता था, केवल टोटिया-नेटिया की बात होती थी । महोदय, आज नीतीश कुमार कितना भी हमलोगों के काम को काट लें लेकिन इनके हक और हकूक के लिए इनके हित के लिए बराबर अल्पसंख्यक के लिए योजना बनाते हैं । महोदय, नीतीश कुमार के राज में आज महादलित को 3 डिसमिल जमीन, विकास मित्र की बहाली, टोला स्वयंसेवक की बहाली हुई है । इनके राज्य में कितने दलित महादलित को टोला स्वयंसेवक, विकास मित्र बनाया गया था ? इनके राज में कितने को महादलित के मुशहर समाज को टिकट दिया गया था और नीतीश कुमार, सुशील कुमार मोदी के राज्य में 12 -12 महादलित विधायक बनकर आये हैं । इनके राज में कितने मुखिया मुशहर, चमार, घोबी बनता था और नीतीश कुमार ने एकल पद पर आरक्षण दे करके मुशहर, डोम, मेहतर, घोबी, पासी को मुखिया बनाने का काम किया । यह नीतीश कुमार की नीति है और सुशील

कुमार मोदी के यहाॅ यह नियम है, कानून है । आज विपक्ष के लोगों ने जो कार्य किया है यह सरासर गलत काम किया है । इनके पास कोई मुद्दा नहीं है । मैं कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने, 2020-21 में 1,83,923.99 करोड़ कुल राजस्व की प्राप्ति की है । राज्य सरकार का राजस्व है 39,989.28 करोड़ । संघीय करो में हिस्सा है 91,180.60 करोड़, राजस्व का व्यय है 164751.19 करोड़, राजस्व का बचत 19172.80 करोड़ है, पूंजीगत प्राप्ति 28,037.50 करोड़ है , पूंजीगत व्यय है 4701030 करोड़ । कुल प्राप्ति है 2,11,9961.49 करोड़ है । कुल व्यय है महोदय, 2,11,761.49 करोड़ है । राजकोषीय घाटा है महोदय, 20,374 करोड़। 2020-21 में बजट में महोदय, 21196.15 करोड़ भारित मद में व्यय होना है। सूद मद में 12,924.65 करोड़ है महोदय । लोक ऋण मूल धन की वापसी 7,035.27 करोड़, निर्पेक्ष निधि में 972.54 करोड़, माननीय उच्च न्यायालय के व्यय मद में 182.28 करोड़, बिहार लोक सेवा आयोग के लिए 28.54 करोड़, राज्यपाल सचिवालय व्यय हेतु 29.63 करोड़, लोक आयुक्त के लिए 7.73 करोड़, बिहार विधान सभा के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, बिहार विधान परिषद् के सभापति, उप सभापति वेतन भत्ते मद हेतु 1.46 करोड़ है, माननीय सेवा निवृत्त न्यायाधीशों के सेवा निवृत्ति लाभ हेतु 14. 05 करोड़ प्रस्तावित है । राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत है जो लक्ष्य निर्धारित है और 2020-21 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद के आधार 11-12 में 685797 करोड़ बचत बताया गया है ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : एक मिनट में आप समाप्त कीजिये ।

श्री रत्नेश सादा : जी महोदय एक मिनट में समाप्त करते हैं । महोदय, मैं भू-राजस्व मंत्री से कहना चाहूंगा कि बनवा इटाढ़ी के अंचलाधिकारी जो हैं दाखिल खारिज में बहुत धांधली करते हैं और आम जन बनवा इटाढ़ी के उनसे त्राहिमाम कर रहे हैं । इन्हीं चंद शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूॅं । जयहिंद ।

श्री श्रवण कुमार, मंत्री : सभापति महोदय, अरुण बाबू इतनी अच्छी-अच्छी बात बोलते हैं और आर.जे.डी. के नेता लोग इनको समय क्यों नहीं देते हैं कम से कम अपनी तरफ से समय दे दें ताकि वे हमलोगों का ज्ञानवर्धन करें ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : आपकी भावनाओं का ख्याल किया जायेगा । श्री सुदामा प्रसाद जी, सी.पी.आई.(एम.एल.) के माननीय सदस्य, 3 मिनट ।

श्री सुदामा प्रसाद : सभापति महोदय, पहले यह मेरा सुझाव है कि जो अब विभिन्न विभागों का बजट हो जिस दिन, उसके एक दिन पहले, जब सदन की समाप्ति हो तो एक दिन पहले पूरा समय दिया जाय और ज्यादा हम क्या बोलें सभी लोग बोले सुने हम

उसको कि यह दो लाख करोड़ का बजट दावा किया गया है कॉर्पोरेशन के बारे में कि मुर्दे में जान फूंकने वाला बजट है । सरकार का यह दावा है कि इस किताब को अगर मूर्दे के पास अगर रख दिया जाय तो उस मूर्दे में जान आ जायेगी । यह दावा है लेकिन हमलोग धरातल पर देख रहे हैं कि महा घोटाला का राज चल रहा है । जिसका सबसे ताजातरीन उदाहरण हर घर नल का जल है । सरकार को इस पर साफ-साफ बोलना होगा कि जो 58 हजार वार्डों में यह योजना पूरी हुई है तो 58 हजार वार्डों में से कितने वार्ड में पानी चल रहा है यह सिर्फ रिपोर्ट नहीं रखा जाय कि गांव की गरीबों के जमीन को कोड़ कर आपने पाईप डाल दिया ।

क्रमशः

टर्न-14/कृष्ण/27.02.2020

श्री सुदामा प्रसाद : (क्रमश :) सिर्फ यह रिपोर्ट नहीं रखा जाय । यह योजना की सफलता की गारांटी नहीं है । गारांटी यह है कि कितने वार्डों में पानी चल रहा है । सच्चाई यह है कि 80 प्रतिशत वार्डों से ज्यादा में पानी नहीं चल रहा है । हमारे एक साथी बोल रहे थे कि 56 परसेंट तो इसकी आप जांच कराईये । अगर इस योजना की जांच नहीं कराते हैं तो समझा जायेगा कि आप उसमें आकंठ डूबे हुये हैं । हर विभाग का यह मामला है । हर घर में दु:खों का पहाड़ दिखाई पडता है । तीन साल से पेंशन लोगों को नहीं मिल रहा है । 6 महीने से डीलर राशन नहीं दे रहा है । स्कूलों में पढ़ाई नहीं हो रही है और कह रहे हैं कि पूरा बिहार तरक्की कर रहा है, विकास दर बढ़ रहा है तो रोजगार क्यों नहीं बढ़ रहा है ? किसानों की कमर टूट गयी है । महोदय, हमलोग बिहार के किसानों को हमलोग धन्यवाद देते हैं कि जिस तरह से खेती के घाटे से ऊब करके दूसरे राज्यों में किसान आत्महत्या कर रहे हैं, हमारे राज्य में किसान उसका मुकाबला कर रहे हैं । अगर आपको बिहार का विकास करना है तो आप तीन काम कीजिये - एक काम यह कि यह कृषि आधारित राज्य है और कृषि का 80 प्रतिशत भाग किसान आबाद करते हैं, उनको आप पहचान पत्र दिलवा दीजिये और इन्द्रपुरी में आप जलाशय बनवा दीजिये। हर साल मध्य बिहार को 30 लाख क्यूसेक पानी बचत होगी और मध्य बिहार में कभी अकाल नहीं पड़ेगा। पूरे झारखंड को यह बिहार अनाज पैदा करके खिलायेगा और तीसरा, नहरों का आधुनिकीकरण करवा दीजिये । यह हमलोग मांग करते हैं । महोदय, क्रय शक्ति । आज व्यापारी दुकानों पर बैठकर मक्खी मार रहे हैं और आप कह रहे हैं कि तेजी से विकास बढ़ रहा है । मूर्दे में आपका बजट जान फूंक रहा है । आखिर

पैसा जा कहां रहा है ? जब बाजार में पैसा नहीं है, गांवों में लोगों को दुखहाली बढ़ रही है, पैसा जा कहां रहा है ? हमको तो लगता है कि जिस तरह से केन्द्र का खजाना आडाणी, अम्बानी के पास पहुंच रहा है तो बिहार का खजाना किसके पास जा रहा है ? यह सरकार को बताना होगा । अभी आज हमलोगों ने दिल्ली पर चिन्ता जाहिर किया । दिल्ली पर कहा कि एक गांव में अगर आग लगती है तो पूरा गांव इक्ट्ठा होकर पानी से आग को बुझाता है, सबके घरों में आग नहीं लगी होती है, एक ही व्यक्ति के घर में आग लगी होती है लेकिन वह आग फैल कर हमारे घर में नहीं जाय, इसीलिये पूरा गांव आग बुझाने के लिये इकट्ठा होता है । आज हमलोगों ने प्रदर्शन किया, वह इसलिए कि आग जो गुजरात में लगी थी, पूरे देश में फैलाने की साजिश की जा रही है, दिल्ली इसका उदाहरण है अभी, वोट नहीं दिया तो आप निशाना बना रहे हैं । जनसंहार कर दीजियेगा, लोगों की संपत्ति लूट लीजियेगा । यह बहुत गड़बड़ बात है । हम उसको बिहार में नहीं होने देना चाहते हैं। इसलिए हमलोगों ने सरकार को आग्रह किया और सरकार को आगाह रहना चाहिये कि जो कुछ गोधरा में हुआ, जो कुछ गुजरात में हुआ, अभी दिल्ली में जो कुछ हो रहा है, उत्तर प्रदेश जल रहा है, उस तरह से बिहार नहीं जले, इसलिए हमलोगों ने सरकार को आगाह किया है कि सरकार अपना रूख स्पष्ट करे । कम से कम अगर बिहार की सरकार सेकुलर सरकार है तो कम से कम विधान सभा से एक निन्दा प्रस्ताव तो पारित करे कि हम इस हिंसा, जनसंहार और दंगों की निन्दा करते हैं और जो इन दंगों के लिये, जनसंहार के लिये जिम्मेदार हैं, भाजपा नेता श्री कपिल मिश्रा उनको गिरफ्तार किया जाय और हमारे जो गृहमंत्री है, जो पूरे देश को जलाने का षडयंत्र कर रहे हैं, संघ परिवार के दबाव में हम समझते हैं कि ऐसे गृह मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिये । गृह मंत्री इस्तिफा दें और माननीय मुख्यमंत्री मुंह खोल करके अपना पक्ष स्पष्ट करें, निन्दा करें । धन्यवाद ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : अब लोक जनशक्ति पार्टी के माननीय सदस्य श्री राजू तिवारी।

श्री राजू तिवारी : सभापति महोदय, मैं सरकार द्वारा लाये गये बजट के समर्थन में बोलने के लिये खडा हुआ हूं । महोदय, सरकार द्वारा जो शानदार बजट लाया गया है, इसके लिये मैं अपने यशस्वी मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मैं ढेर सारी शुभकामना एवं बधाई देता हूं । यह सरकार जो इस बार बजट लायी है, उसको ग्रीन बजट से भी देखा जा रहा है । अभी जो जल-जीवन-हरियाली अभियान के तहत बिहार में यात्रा पर निकले थे, हमारा यह सौभाग्य है कि हमें ऐसे मुख्यमंत्री और ऐसे उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काम करने क मौका मिला है । आज हमारे आनेवाले नस्ल, हमारी आनेवाली

पीढ़ी के बारे में सोचने का काम किये हैं, आनेवाली पीढ़ी जब आयेगी तो पर्यावरण जिस हिसाब से प्रदूषित हो रहा है, जल का संकट हो रहा है, इससे कैसे निपटा जाय, इसके बारे में हमारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री जी ने सोचने का काम किया है, जो साधुवाद के पात्र है । मुख्यमंत्री जी का कहना है कि जीवन तभी है, जब जल रहेगा, हरियाली रहेगी । इस बारे में बिहार पहला राज्य है, जो इस तरह का बजट लाने का काम किया है, मैं धन्यवाद देता हूं । बजट में विकास की बात की गयी है। जब आप अगर गांवों में जाईयेगा, पंचायत में जाईयेगा तब आपको पता चलेगा कि आज हमारा बिहार कहां है और पहले कहां था । महोदय, मैं बड़े दावे के साथ और गर्व के साथ कह सकता हूं कि –

(व्यवधान)

गुलाब जी, आप आंकड़ों में मत जाईये । बोलने का मौका मुझे मिला है, दो मिनट बोल लेने दीजिये । आप गांवों में जाईयेगा तो देखियेगा कि रोड की स्थिति क्या है । पहले हमलोग कितने घंटे में जिला मुख्यालय आते थे, कितने घंटे में पटना पहुंचते थे ।

जहां तक बिजली की बात है, पहले जिस गांव में पोल नहीं थे, तार नहीं थे, आज सारे गांवों में 20 से 22 घंटे बिजली जल रही है । लगता ही नहीं कि शहर में है या गांव में हैं । इसको नकारा नहीं जा सकता है महोदय । हम कहेंगे कि शहरों से ज्यादा गांवों में, हमारे यहां तो 24 घंटे बिजली रहती है ।

(व्यवधान)

हां, बिजली देखते रहते हैं । आप भी देखते हैं । आपको भी दिखाई देता है ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : चलिये आप बोलिये ।

श्री राजू तिवारी : आप देखिये, कचरा प्रबंधन के लिये हर घर में सरकार नीला डिब्बा आ और हरा डिब्बा रख करके कचरा उठवा रही है । आप स्वास्थ्य के क्षेत्र को ले लीजिये, शिक्षा के क्षेत्र को ले लीजिये । पहले एक पंचायत में मिड्ल स्कूल नहीं था। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि हमारे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आनेवाले दो-तीन महीने के अंदर हर पंचायत हाई स्कूल होगा, यह उपलब्धि है सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में । पहले स्कूलों में बच्चों की संख्या कितनी थी ?

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : अब आप समाप्त कीजिये ।

श्री राजू तिवारी : महोदयय, दो मिनट तो बोलने दीजिये । आखरी दो बात बोल कर बैठ जाउंगा। अभी हमारे विपक्ष के साथी नवाज साहब बोल रहे थे कि चरवाहा विद्यालय

सरकार का आईकॉन है । मैं आग्रह करूंगा नवाज साहब से, जो हमारे विपक्ष के साथी है, जो अधिवक्ता हैं और अधिक वक्ता भी हैं । मैं उनसे आग्रह करूंगा कि अपनी पार्टी के घोषणा-पत्र में इसको शामिल करें और चुनाव मैदान में आने से पहले मैं उनको कहता है ।

महोदय, आज 60 वर्ष या उससे ऊपर की आयु से जितने भी लोग हैं, चाहे वह किसी भी जाति के हों, किसी भी धर्म के हों, किसी भी बिरादरी के हों, सबों को वृद्धा पेंशन देने का काम हमारी सरकार कर रही है । आप विकास की बात करते हैं ? हम 15 साल में नहीं जाना चाहते हैं, मैं इन सब बातों में नहीं पड़ना चाहता हूं लेकिन हम गर्व से कह रहे हैं कि हम ऐसे मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कम कर रहे हैं ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : समाप्त कीजिये ।

श्री राजू तिवारी : आखिर में, मुख्यमंत्री क्षेत्र जो हमलोगों का फंड है, उसमें एन0ओ0सी0 लेने में बड़ी दिक्कत होती है । मैं आग्रह करूंगा कि इस एन0ओ0सी की व्यवस्था को समाप्त किया जाय । धन्यवाद ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : भाजपा के माननीय सदस्य श्री संजीव चौरसिया जी ।

श्री संजीव चौरसिया : सभापति महोदय, मैं प्रस्तुत बजट प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं । सर्वप्रथम बिहार के इतिहास का सबसे बड़ा बजट जो पेश हुआ है, मैं माननीय मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को कोटिश: धन्यवाद देना चाहता हूं कि नये आयाम और विभिन्न क्षेत्रों को छूने का जो पैमाना इन्होंने तय किया है कि आसमान के सभी विभागों को छूते हुये जो पूरा पैमाना दिखाई दे रहा है, वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, पर्यटन हो, पथ हो, अनेक आयाम ऐसे हो गये हैं, वह हरेक विभाग को छूते हुये उनके बढ़ते हुये कदमों को आज अवलोकन करने का जब काम करें तो आईना अपने-आप प्रदर्शित होता है, परिलक्षित होता है, 2005 का आईना क्या था और 2020 का आईना क्या है, यह हमलोगों को समझने की आवश्कयता है । मैं यह भी कहना चाहता हूं आपके माध्यम से कि कृषि के क्षेत्र से सबसे बड़ा कृषि भूमि की दृष्टि से बिहार के बारे में सोचते हैं तो कृषि के बहुत सारे आयाम हैं, जो सबसे बड़ा आयाम है, प्रशंसनीय है । बिहार की दृष्टि से उसको अवलोकन करने और समझने की आवश्यकता है । जब पूरा विश्व ऑरगेनिक की ओर जा रहा है तो बिहार को ऑरगेनिक दिशा की ओर ले जाने का काम माननीय मुख्यमंत्री जी और उप मुख्यमंत्री जी के द्वारा हुआ है, यह सराहनीय कदम है, यह स्वागत योग्य कदम है, निश्चित तौर पर एक नई दिशा पूरे देश को देने की बात है । सिक्किम एक ऑरगेनिक संस्था थी, वहां से हमलोग सर्टिफिकेशन लेते थे, अब बिहार भी

सर्टिफिकेशन देने का काम ऑरगेनिक कैमेस्ट्री से करने का काम कर रहा है । इस काम को निश्चित तौर पर ऑरगेनिक दृष्टि से करने पर विचार करना चाहिये ।

क्रमश :

टर्न-15/राजेश/27.2.20

श्री संजीव चौरसिया, क्रमशः कि छः घंटा के सपने को पूरा करने का अनेक योजना है,अगर परिलक्षित करेंगे, तो पूरा समय लग सकता है और कुछ छोटी-छोटी बातों की चर्चा भी हुई है, जो मेरे विधान सभा के अन्तर्गत है जैसे आर ब्लॉक से ले करके दीघा से लेकर गंगा पथ से लेकर ऐसे अनेकों निर्माण हो रहे हैं, उसको आज समझने की आवश्यकता है और अभी हाल के दिनों में ही हार्डिंग पार्क में जो वहॉ पर एम0ओ0यू0 हुआ है केन्द्र सरकार के द्वारा, उसके बहुत सारे निर्णय राज्य के दृष्टि से भी दिखाई देंगे और 509 करोड़ की लागत से गोपालगंज का बंदराघाट हो, मुजफ्फरपुर का हो या सारण जिला को जोड़ने का हो, चाहे 155 मीटर लंबा पुल की जो बात हो, ऐसे अनेक योजनाओं को ले जा करके आगे करने का काम हुआ है,हम आपके माध्यम से बताना चाहेंगे, उर्जा विभाग के माध्यम से भी जो काम हुए हैं, जो आज हर घर बिजली मिलने का काम हुआ है, 39073 गॉवों को और एक लाख 6 हजार 250 टोलाओं को जो बिजली मिला है, जो रोशनी की दिशा मिली है,जो पहले रोशनी की दिशा बिहार को नहीं दिखाई देती थी, तो एक छोटा सा उदाहरण देना चाहते हैं आपको कि गंगा के इस पार वर्षों वर्ष तक नकटा दियारा को लोग निहारते थे, तो अंधेरा ही अंधेरा दिखााई देता था, तो लगता था कि यह कौन सा क्षेत्र का है और गंगा के इस पार जब देखेंगे, तो रोशनी ही रोशनी है और उस पार देखेंगे तो अंधेरा ही अंधेरा है, अब आप जाइये, तो आपको दोनों तरफ रोशनी ही रोशनी दिखाई देती है,यह आभास करने की जरुरत है और इसपर आपको सोचने की जरुरत है कि माननीय नीतीश कुमार जी की अगुवाई में माननीय मुख्यमंत्री जी की अगुवाई में बिजली का यह प्रशंसनीय कदम है, इसको आज समझने की आवश्यकता है कि नकटा दियारा का क्षेत्र जहॉ रोशनी कभी दिखाई नहीं देती थी, आज वहॉ पर प्रकाश ही प्रकाश दिखाई दे रहा है, यह है रोशनी का आयाम, इसको आज समझने की आवश्यकता है ।

सभापति महोदय,हम आपके माध्यम से बताना चाहेंगे कि शिक्षा विभाग में अनेको कार्य हुए हैं,चाहे वह प्राथमिक हो, उच्च हो, अनेकों विद्यालयों में काम हुए हैं, आज मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूॅ कि माननीय सदस्य जब आप भी

जाते होंगे, स्मार्ट क्लासेज के उद्घाटन में, तो आपको लगता होगा कि उस गरीब परिवार का बच्चा स्मार्ट क्लास के माध्यम से पढ़ाई कर रहा है और डिजीटल इंडिया को आभास कर रहा है, डिजिटल इंडिया को स्वयं एहसास कर रहा है, ऐसा स्वयं आपको लगता होगा कि कितना अच्छा इस सरकार की योजना है और इन सभी योजनाओं को आगे बढ़ाने का काम किया गया है डिजिटल इंडिया के माध्यम से, स्मार्ट क्लासेज के माध्यम से, हम पढ़ाने का प्रावधान जो करने का काम किये हैं और 90 हजार रुपये प्रत्येक विद्यालय की दर से राशि भी उपलब्ध कराए हैं और उसके माध्यम से करने का काम हुआ है । कंपोजिट स्कूल ग्रांट के माध्यम से 72534 विद्यालयों के लिए भी 453 करोड़ की राशि जिलों को उपलब्ध करा दी गयी है, तो मेरा कहने का अभिप्राय यह है कि हमको इस बात को समझने की आवश्यकता है कि सरकारी विद्यालय भी प्राईवेट विद्यालय का जो उच्चतम आयाम हो सकता है,उसका यह सराहनीय कदम है, इसके लिए हमको निश्चित रुप से इस सरकार को धन्यवाद देने की आवश्यकता है । आज विज्ञान और विज्ञान के प्राद्योगिकी के बढ़ते क्षेत्र के आयाम को समझने की आवश्यकता है कि विज्ञान के किस रुप से हमारा बिहार बढ़ रहा है,अगर बिहारी कहीं भी रहता है, वह सिलकन भैली से लेकर बाहर कहीं भी जाता है, तो बिहारी को आभास होता है कि विज्ञान के क्षेत्र में वह कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, आज बिहार की सरकार ने तय किया है कि विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए मोईनुल हक स्टेडियम के बगल में श्री ए0पी0जे0कलाम साईंस सिटी के नाम से निर्माण करने का 20.50 एकड़ भूमि को 397 करोड़ की लागत से बनाने की साईंस सिटी की बात बहुत ही प्रशंसनीय कदम इस रुप में दिखाने का काम करता है कि यहॉ का विद्यार्थी, बिहार का विद्यार्थी जब आयेगा, तो विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ते हुए आयाम साईंस सिटी से लेकर, बेसिक साईंस से लेकर अनेक चीजों से उसका ज्ञान बढ़ेगा, तो इस बिहार का उर्जावान विद्यार्थी विश्व के कहीं भी पैमाने पर जाता है, तो वह कीर्तिमान स्थापित करके आगे बढ़ाने का काम करता है और सबसे बड़ी बात तो स्वास्थ्य विभाग के संबंध में उल्लेखित करना चाहेंगे कि आज कुछ भी कहिये, आज स्वास्थ्य विभाग ने अनेक अयाम तय किये हैं और उसका पैमाना आपको दिखाई भी देता हैं कि आज आप हॉस्पिटल में चले जाइए आई0जी0आई0एम0एस0 जो मेरे दीघा विधान सभा क्षेत्र में पड़ता है, इतने फोन आते हैं मरीजों के, जितना प्राईवेट हॉस्पिटल के बारे में फोन नहीं आते हैं उतना आई0जी0आई0एम0एस0के बारे में आते हैं, लोगों को लगता है कि आई0जी0आई0एम0एस0 में एडमिट हो जाना है, तो अपने आप में उच्चतम बड़े से बड़े सेन्टर भी इसके सामने फेल है, यह इस बात का प्रमाणित है कि स्वास्थ्य

विभाग किस रूप में आगे बढ़ने का काम किया है, उसीतरह से ओल्ड क्लास पी0एम0सी0एच0 में भी आगे बढ़ने का काम हो रहा है, एन0एम0सी0एच0 में बेड के निर्माण में भी आगे बढ़ने का काम हो रहा है और आई0जी0आई0एम0एस0 में 138 करोड़ के वैसे 100 बेड का अत्याधुनिक स्टेट कैंसर संस्थान का निर्माण हुआ है, नोटा का पहली बार ऑर्गन डोनेशन का जो सेंटर वह आई0जी0आई0एम0एस0 में खोलने का काम हुआ है, आई सेंटर का है, आप कल्पना कीजिये कि रोशनी जाने के बाद नेत्र अगर किसी को मिलता है, तो वह व्यक्ति कितना खुश होता है,मरणोपरान्त यह देने का काम हुआ है,अब तक 200 से ज्यादा लोगों को वैसे ब्लाईंड पर्सन को ऑख मिलने का काम हुआ है और यह इतना बड़ा योग्य कदम इस सरकार के द्वारा हुआ है और बिहार के सभी अस्पतालों में आई डोनेशन सेंटर स्थापित करने का काम हुआ है,अगर मरणोपरान्त कोई व्यक्ति नेत्रदान करता है, तो आप कल्पना कीजिये महोदय कि नेत्रदान के पश्चात् जिस व्यक्ति को रोशनी नहीं है, अगर उसे रोशनी मिलता है, तो जीवन की दूसरी पारी वह खेलने के लिए कदम आगे बढ़ाने का काम करता है और यह आई0जी0आई0एम0एस0 में खुलने का काम हुआ है, यह अस्पताल ब्लड से ले कर, कैंसर से ले कर और लीवर ट्रान्सप्लानटेशन से ले कर सब आज एक सोचनीय कदम था, जिसे आई0जी0आई0एम0एस0 में आगे ले जाने का काम हुआ है । इसी संस्थान के माध्यम से टाटा मेमोरियल अस्पताल को 15 एकड़ की भूमि दी गयी है आई0जी0आई0एम0एस0 के माध्यम से और यहॉ पर 220 करोड़ का काम भी हो रहा है । आज लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल, राजवंशीनगर में भी 12.38 करोड़ की लागत से 30 बेडेड ट्रामा सेंटर खुलने का काम हो रहा है, आप मुजफ्फरपुर जाइये या कहीं से भी देखिये निर्माण का कार्य जारी है, उसी क्रम में आपको बताना चाहेंगे महोदय कि सभी क्षेत्रों में जब इस सरकार के द्वारा बढ़ते हुए कदम बढ़ रहे हैं और यह कदम सही दिशा में बढ़ रही है और सबसे बड़ी बात जो अभी वक्ताओं ने रखा है कि जल-जीवन-हरियाली के दृष्टिकोण से ग्रीन बजट यह तो अपने आप में संदेश है पूरे देश के लिए और यह हमारा राज्य संदेश का काम किया है कि ग्रीन बजट को आगे बढ़ाने का काम करेंगे, तो जहॉ जल-जीवन-हरियाली का कहीं पैमाना नहीं है और आज पूरा विश्व इस चीज की प्रशंसा कर रहा है कि माननीय मुख्यमंत्री और माननीय उप-मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जो ग्रीन बजट पेश किया गया है, वह सबसे ज्यादा बजट के प्रावधानों को आगे बढ़ाने का काम किया है, इसे हमको आगे ले जाने का काम करना है ।

सभापति (श्री मो0नेमतुल्लाह): अब आप समाप्त करिये ।

श्री संजीव चौरसिया: सभापति महोदय और भी हम बताना चाहेंगे कि नगर विकास की दृष्टि से ऐसे बहुत पैमाने हैं, नमामि गंगे से लेकर जितनी योजनाओं को हम आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं, उन योजनाओं को लेकर हमें निश्चित तौर पर आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए, साथ ही साथ एक विषय और बताना चाहेंगे कि औद्योगिक क्षेत्र की दृष्टि से भी हवाईजहाज की अपनी कल्पना है कि एयरपोर्ट का निर्माण 80 लाख लोगों का निरंतर ट्रेभलिंग प्रत्येक वर्ष होने का पैमाना तय किया गया है यानि की सामान्य व्यक्ति भी इस चीज को उचाईयों से आगे बढ़ाने का काम कर सकता है,इसको हमको आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

सभपति(श्री मो0 नेमतुल्लाह): अब इंडियन नेशनल कॉंग्रेस के माननीय सदस्य श्री रामदेव राय जी, 10 मिनट का समय बचा है ।

श्री रामदेव राय: सभापति महोदय, मैं माननीय वित्त मंत्री द्वारा जो आय-व्यय पेश किया गया है उसी के क्रम में कुछ अपनी बात रखना चाहता हूँ । इनके पहले ही पृष्ठ में है कि

''हर बार चुनौतियों को ऐसे हराते हैं हम,
कि जख्म जितना गहरा हो, उतना मुस्कुराते हैं हम।''

हुजूर, जख्म जब गहरा हो जायेगा, तो कोई हॅसेगा । तो हम उनको बताते हैं कि: ''हर बार चुनौतियों को ऐसे हराते हैं हम,
कि जख्म जितना गहरा हो जाता है और हम गड्ढे में गिर जाते है।''

हुजूर जब जख्म गहरा होगा, वह मुस्कुरायेगा कहॉं, वह दर्द से बेचारा कहीं गड्ढा अगल-बगल होगा, तो उसमें गिर जायेगा, तो माननीय हमारे वित्त मंत्री जी बजट बनाते समय निश्चित रुप से कहीं गड्डा में गिर गये हैं, अगर गिरते नहीं तो जिस राज्य को ये आठ गुणा ज्यादा, 2006 के बाद आठ गुणा ज्यादा बजट दिये हैं,यह कोई साधारण बात नहीं है,यह बिहार के लिए उपलब्धि है, मैं यह मानता हूँ कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है लेकिन इस उपलब्धि का लाभ कहॉं तक पहुंचता है और कहॉं है, जिसके लिए बजट बनाया गया है, इसके लिए क्या है कोई बजट में प्रावधान है,कोई उपाय इन्होंने की है, नहीं की है । कुछ क्षेत्र है ऐसे सड़क, बिजली, पुल इसमें कुछ उपलब्धियॉं हुई हैं, कुछ ज्यादा ही उपलब्धियॉं हुई हैं लेकिन शेष क्षेत्र का क्या है ?

क्रमशः

टर्न-16/सत्येन्द्र/27-2-20

श्री रामदेव राय:(क्रमशः) महोदय, शिक्षा पर 35 लाख करोड़ रू0 खर्च करने जा रहे हैं, कुछ ज्यादा ही है हम कम कर के बोल रहे हैं, 35 लाख करोड़ रू0 ये खर्च करने जा

रहे हैं । हुजूर, सुन लीजिये मैं माननीय वित्त मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि वे पटना सिटी में अगल बगल के किसी स्कूल में चलें अगर वहां पढ़ाई होती हो तो हम दंडित हो जायेंगे । किसी स्कूल में चलें वे, कैसे पढ़ाई होगी? सिपाही की भर्त्ती के लिए यहां बी0पी0एस0सी0 में परीक्षा होती है, वाह रे बिहार और मास्टर साहब जो हमको आई0ए0एस0 और आई0पी0एस0 बनायेगा, उसकी बहाली कहां होती है, हुजूर, बोलना नहीं है हमको जरूर श्रीमान जानेंगे इस बात को तो शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि कहां है, आपने घर(विद्यालय भवन) जरूर बना दिया, घर बना है लेकिन घर में टीचर नहीं है, शिक्षक नहीं है और जो टीचर है वह लाठी खा रहा है रोड पर उसके लिए चिन्ता नहीं है, कोई परेशानी नहीं है, ये उनलोगों को बहाल भी कर लिये और लाठी भी मारते हैं, वह बेचारा चारों ओर से मारा जा रहा है। मैं यह कहना चाहता हूँ, स्कूल को इन्होंने उच्च विद्यालय से बना दिया प्लस टू और क्या क्या बना दिया, वहां पढ़ाने वाला एक है स्मार्ट क्लास, एक स्मार्ट टीचर ये दिये हैं और क्लास है कितना, स्मार्ट नाम कितना अच्छा है और है वह टी0भी0 और बच्चे लोग उसको खिलौना मान कर चलते हैं और हमारे मास्टर साहब कहां है, किस हाई स्कूल में मास्टर साहब हैं, किस कॉलेज में पढ़ाई होती है, किस यूनिवर्सिटी में पढ़ाई होती है, पैसा 35 लाख करोड़ रू0, क्यों देंगे आपको 35 लाख करोड़ रू0, यह पैसा सिर्फ आपका नहीं है पैसा पूरे बिहार के लोगों का है। पढ़ाई लिखाई नहीं और आप साईकिल दिये, पोशाक दिये, सब चीज दिये बहुत अच्छा किये मगर जो अब आप कहते हैं 1 प्रतिशत लोग ही बाहर में है, माननीय मंत्री जी बातचीत नहीं कीजिये सुनिये, 1 प्रतिशत लोग बाहर में पढ़ने से मात्र बंचित नहीं है आप चलकर देखिये अभी भी गरीब के बच्चे, हमें तब हंसी आती है जब चरवाहा स्कूल की लोग चर्चा करते हैं । कौन ऐसा है, इसमें से 80 प्रतिशत लोग ऐसे हैं, जब हम जन्म लिये थे उस समय कोई गाय चराते थे, बकरी चराते थे, कोई भैंस चराते थे, कोई बैल चराते थे और चरवाहा स्कूल पर हंसते हैं आप। जिसने इसकी कल्पना की वह जरूर बड़ा फिलौस्फर होगा । आज कोई चरवाहा का बच्चा स्कूल में पढ़ता है क्या, चलकर देख लीजिये और उस समय जिसे साबून से नहाया जाता था आज उस बेचारा को कोई देखने वाला नहीं है। शराब बंदी तो ऐसा है, जिस पर आपके डी0जी0पी0 साहब का बयान आया है, हम क्या बोल सकते हैं, ठीक बात है, मैं चाहता हूँ कि पढ़ाने की बात हो, हम पढ़ाने के पक्षधर हैं । हम स्कूल कॉलेज केवल खोलने वाले नहीं है, हमें चिन्ता है अपने स्कूल और कॉलेज की, आप कौशल केन्द्र की बात करते हैं । एक कौशल केन्द्र खोलने के लिए हमारे यहां दो वर्ष से जमीन चयनित कर के रखा हुआ है और वहां इसको बनाना नहीं चाहते है क्योंकि वह गरीब का

एरिया है, पिछड़े वर्ग का एरिया है इसलिए कि वहां का लड़का कौशल विकास में नहीं पढ़ेगा । आपका नारा झूठ है, जाति में महादलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, संयुक्त पिछड़ा बना दीजिये हम जो हैं सो हैं। हमको संयुक्त पिछड़ा बना दीजिये, आप जान लीजिये मैं सदन के सामने यह रखना चाहता हूँ। ये भारत हमेशा के लिए ट्रंक में बंद हो गया है और जान लीजिये अंग्रजों ने खोज लिया था जिस प्रकार अपना बाजार भारत में कि हम यहीं व्यापार करेंगे, उसी प्रकार पश्चिमी देश की ताकत के सामने हमारा बाजार उसका चारागाह बनेगा, यहां के लोग उनका गुलाम बनेगा । देख लीजियेगा कुछ ही दिनों में, आने वाले दिनों में यह होगा। हम ये कहना चाहते हैं कि हम आत्मनिर्भर देश है हम किसी पर आश्रित रहना नहीं चाहते हैं, हमारे पास कुशल कारीगर है, कुशल मेहनत मजदूर है,आज हमारा मजदूर विदेश भाग रहा है और हमारा किसान घर में मारा जा रहा है।

सभापति(श्री मो0 नेमतुल्लाह) रामदेव बाबू दो मिनट और समय है।

श्री रामदेव राय: मैं फिर पीछे जरा लौटता हूँ । ये कहते हैं, हमारे क्षेत्र में अब क्षेत्र की बात करेंगे, विदेश का बोलकर क्या फायदा। हमारे क्षेत्र में हुजूर एक स्कूल है जो आजादी के पहले से चल रहा था और आज भी उसके पास पांच बीघा जमीन है । ठीक ही आनंद शंकर जी ने बोला,महोदय, उस स्कूल को हटाकर चार कि0मी0 दूर कर दिया गया । उसके पास अपना भवन है, उसके वाबजूद स्कूल को हटा दिया गया । उसके बच्चे पढ़ने के लिए जा रहे थे तो वह ट्रक से कुचला गया। महोदय,मैं वित्त मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ, गांव में आंगनबाड़ी केन्द्र है, गांव में सामुदायिक भवन है, आप विधायक को कहिये अपना फंड से भवन बना देगा लेकिन विद्यालय को शिफ्ट मत कीजिये, एकदम गलत तरीका है इससे गरीब के बच्चे नहीं पढ़ पायेंगे । आप गरीब के बच्चे को और गरीब मत बनाईए। दूसरी बात मैं आपको कहना चाहता हूँ सर, इनका व्यय भी बढ़ाये हैं लेकिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में इन्हें और काम करना चाहिए। ठीक है आई0जी0आई0एम0एस0 में काम हुआ होगा, कैसे कहें कि नहीं हुआ है लेकिन गांव में आपके जितने भी हेल्थ सेंटर हैं वे खाली पड़े हुए हैं। भले आप वहां पट्‌टी भेज दिये हैं लेकिन वहां नर्स भी नहीं है, डॉ0 की बात तो छोड़ दीजिये, नई बहाली नहीं हुई, हो जायेगा तो अच्छी बात है और किसानों की बात आप करते हैं, किसानों को उनकी उपज का दाम मिलना चाहिए था लेकिन क्या हुआ, आज तक किसान का धान कहां है, गेहूं कहां है, किसी को परवाह नहीं पैक्स कहां है, को-ऑपरेटिव कहां है पता नहीं, इसके वाबजूद हमारे जिला में हमारे माननीय विधायक जी का क्षेत्र है बोगो बाबू का, मटिहानी वहां के सारे लोगों की जमीन थर्मल में काटकर दिया जा रहा है और बगल में जमीन खाली

पड़ी हुई है मल्लिकपुर में और वहां कारखाना नहीं बनाया जा रहा है। यह कितना बड़ा जुल्म है वहां के किसानों के साथ और फिर आप कहते हैं कि हम किसान के हितैषी है। जिनके वोट पर आप जीतकर आते हैं, जनता के वोट पर आप जीतकर यहां आते हैं और उन्हीं का गला काटते हैं इसलिए इस वोट को आप ट्रांसफर कर दीजिये हमलोगों के तरफ, हमारे तरफ वोट को आने दीजिये, यही कहकर मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ।

टर्न-17/मधुप-हेमंत/27.02.2020

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : राष्ट्रीय जनता दल के माननीय सदस्य श्री राजेन्द्र कुमार जी । 10 मिनट टाईम है आपका ।

श्री राजेन्द्र कुमार : महोदय, 15 मिनट टाईम था ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : आज 4 बजे तक ही है । बोलिए ।

श्री राजेन्द्र कुमार : महोदय, सदन में जो बजट आया है, हम उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हैं ।

महोदय, उस विकास की बातें और चर्चा हो रही है, निश्चित तौर पर हमारे वक्ताओं के द्वारा जो पूर्व में कहा जा रहा था जिसमें सादा जी की बात को हम सुन रहे थे, हम बाबा साहब को नमन करते हैं, जिस संविधान के बल पर आप इस सदन में आए हैं और मैं भी इस सदन में आया हूँ, आप कलेजा पर हाथ रखकर लालू जी के उस समय को अगर याद करते तो लालू जी पर अंगुली उठाने का काम सादा जी शायद आप नहीं करते । निश्चित तौर पर आज आपको कहना चाहेंगे सादा जी, हम ऑकड़े के साथ आपको बताना चाहते हैं सादा जी, अनुसूचित जाति/जनजाति विरोधी सरकार की बड़ाई करते आप पीछे नहीं हटे हैं लेकिन मैं आपसे जानना चाहता हूं कि इसी सरकार में महादलित विकास मिशन का गठन हुआ था....

(व्यवधान)

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : आप बैठिए सादा जी । आप बोल रहे थे तो कोई डिस्टर्ब नहीं किया । आप इनको बोलने दीजिये ।

श्री राजेन्द्र कुमार : महोदय, महालित विकास मिशन का गठन हुआ, पिछले बजट में, पिछले वित्तीय वर्ष में जो बजट प्रावधान किया गया था, खास करके यह देखना पड़ेगा कि महादलित विकास मिशन के लिए 315 करोड़ रू0 का प्रोवीजन किया गया था, इस

मर्तबा है ही नहीं, 1 रूपया नहीं । महादलित विकास मिशन की चर्चा ही नहीं है । आखिर वह कहाॅं है ? यह हम जानना चाहेंगे । दूसरी तरफ हम यह जानना चाहेंगे कि निश्चित तौर पर इस बजट में जो प्रावधान है कि कुल बजट का 20 प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति के क्षेत्रों में विकास के कार्यों पर खर्च किया जाएगा । यह ऑंकड़ा है, 2019-20 में 13 प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति के क्षेत्रों में कार्य करने का काम और प्रावधान करने का काम इस सरकार ने की । 2020-21 में जो यह ऑंकड़ा है, आपका बजट भाषण बतलाता है कि उसमें वह 12 प्रतिशत पर घट कर आ गया है । यह आपकी नियत को दर्शाता है ।

महोदय, निश्चित तौर पर अनुसूचित जाति के महिलाओं पर जितना उत्पीड़न इस सरकार में हुआ है, रेकर्ड-तोड़, आज के पहले कभी नहीं हुआ था । आप कहते हैं कि गरीबों का विकास हुआ है, किन गरीबों की बात करते हैं, जिनको अभी तक 5 डिसमिल का जमीन प्राप्त नहीं हुआ, वह सड़क किनारे बसने के लिए मजबूर है, उन्हें उजाड़ा जा रहा है, बरसातों में वह भींग रहे हैं, उनके बच्चे मर रहे हैं, उन्हें पूछने वाला कोई नहीं है । उस विकास की बात करते हैं ? किन विकास की बात करते हैं ? राजस्व विभाग के माननीय मंत्री बैठे हुए हैं, जहाॅं हमने सवाल लाया है, 35 पंचायत में मात्र 4 कर्मचारी हैं जिससे त्राहिमाम मचा हुआ है मेरे यहाॅं, उस विकास की बात करते हैं ? मेरे यहाॅं 35 पंचायत है और ग्राम सेवकों की संख्या महज 8 है, महोदय । आखिर किस विकास की बात करते हैं ? कैसे हम उम्मीद करें कि आप विकास की बात करते हैं ।

इसलिए निश्चित तौर पर महोदय, जो हालात पैदा हुआ है, उसमें हम यह जरूर बतलाना चाहेंगे, एस0सी0/एस0टी0 कल्याण विभाग, स्कीम मद में 2018-19 में 1442 करोड़ रू0 का लगभग बजट आया था, 2019-20 में 1244 करोड़ रू0 का स्कीम का बजट बना था, 2020-21 में 1441 करोड़ रू0 का स्कीम अनुसूचित जाति/जनजाति के डेवलपमेंट के लिए बना लेकिन लगभग 40 फीसदी पैसा सरेंडर हो गया, इसलिए पता नहीं चल रहा है इस योजना का, क्योंकि आज बजट के प्रोवीजन में यह कहीं चर्चा नहीं है कि आपने बजट लाया तो, लेकिन खर्च कितना किया, इसकी चर्चा ही कहीं नहीं है । तो आखिर आपने क्या किया है ? आखिर हम यह जानना चाहेंगे और खास करके यह जानना चाहेंगे कि पूंजीगत जो व्यय होता है, जो मेन इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट की बात है, उसमें हम जानना चाहते हैं कि परिसम्पत्ति सृजन में पुल, अस्पताल और स्कूल के भवनों की बात होती है उसमें 2 प्रतिशत का गिरावट हुआ है । आप विकास का दावा करते हैं, 2 प्रतिशत की गिरावट इसलिए हुई है कि 2019-20 में आपका 47,913 करोड़ रू0 था

और वहीं 2020-21 में घटकर 47,010 करोड़ रू0 मात्र आये हैं, यह 2 प्रतिशत घटा है । आप कहते हैं कि नहीं, हम विकास का दावा करते हैं, हम आपसे जानना चाहते हैं और खास करके वैसे लोगों पर हँसी आती है जो चोर दरवाजे से इस सदन के अंदर सत्ता में बैठे हुए हैं और दावा करते हैं, आप दावा करते हैं और हमारी सरकार पर हँसने का काम करते हैं । हम उनको बतला देना चाहते हैं, जो हमारे माननीय लालू प्रसाद यादव पर अंगुली उठाते हैं, हम खास करके एक चीज जरूर कहना चाहेंगे, माननीय मुख्यमंत्री जी के भाषण के माध्यम से जब यह बातें आ रही थीं कि एन0पी0आर0 के समय में कमिटी में लालू प्रसाद यादव थे । मुझे लगा कि है, लेकिन जब जातीय जनगणना, सामाजिक जनगणना और आर्थिक जनगणना की बातें आज आई है तो निश्चित तौर पर इसकी चर्चा होनी चाहिए थी कि लालू प्रसाद यादव जी के नेतृत्व में 26.07.2015 को हजारों कार्यकर्त्ताओं के साथ राजमार्ग पर राजभवन मार्च करने का काम अगर किसी ने किया तो वह लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने किया, जिसमें 300 हमारे कार्यकर्त्ताओं पर एफ0आई0आर0 करने का काम किया गया । आखिर आप जातिगत जनगणना का आज दावा करते हैं तो किसकी भागीदारी है, किसकी देन है, इसकी भी चर्चा आपको कर लेनी चाहिए । यही यू0पी0ए0 सरकार में निश्चित तौर पर दबाव बनाकर 2011 में जातीय जनगणना कराई गई जिसका रिपोर्ट आज तक पटल पर नहीं आया । आर्थिक और सामाजिक जनगणना जो हुई, उसको प्रकाशित करने का काम किया गया, आखिर 2011 में जो जातिगत जनगणना हुई, इस देश का करोड़ों रूपया जो खर्च हुआ, आखिर किस नियत के तहत उसको आज तक प्रकाशित नहीं किया गया और उसके लिए जो लगा हुआ पैसा है, आखिर वह किस पर जिम्मेवारी जाती है, यह हम जानना चाहेंगे । निश्चित तौर पर जो सृजन घोटाले में शामिल लोग इसमें बैठे हुए हैं, वह दावा करते हैं, 15 साल गिनाते हैं, 15 साल गिनाने वाले लोगों से मैं जानना चाहता हूँ कि 15 साल तो आप गिनाते हैं लेकिन आप अपने 56 तरीके का घोटाला क्यों नहीं याद रखते जिसमें सृजन घोटला से लेकर पैखाना घोटाला तक शामिल है, आप उसको भी याद करते । आप विकास का काम नहीं करते हैं, आप लालू जी की उन बातों को हमेशा चर्चा पर लाते हैं, अपनी कमी छुपाने के लिए 15 साल की चर्चा करते हैं । हम खास करके उनसे कहना चाहते हैं कि 15 साल जब याद करते हैं.....

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : अब आपका समय हो गया । 4 बजे तक का ही समय है । अब आप समाप्त करिये ।

श्री राजेन्द्र कुमार : 5 मिनट और । हम एक चीज जरूर कहना चाहेंगे सादा जी, मेरे साथ खड़ा हो जाइये और आप कसम खाइये...

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : अब आप बैठ जाइये ।

श्री राजेन्द्र कुमार : महोदय, एक मिनट ।

सभापति (श्री मो0 नेमतुल्लाह) : समय नहीं है । बैठ जाइये । 4 बजे तक ही आज समय है।

श्री राजेन्द्र कुमार : महोदय, एक मिनट । मेरी माँग है कि आरक्षण के प्रावधानों को संविधान की अनुसूची-9 में शामिल करने का प्रस्ताव विधान सभा में पारित किया जाय, प्रोमोशन में आरक्षण की बात लागू की जाय...

(व्यवधान)

सभापति (मो0 नेमतुल्लाह) : अब आप बैठ जायं । अब आपकी बात रेकर्ड में नहीं आ रही है, बैठ जाइये । समय हो गया, 4 बज गये ।

माननीय सदस्यगण, वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक पर सामान्य विमर्श कल दिनांक- 28 फरवरी, 2020 को भी जारी रहेगा ।

माननीय सदस्यगण, आज दिनांक-27 फरवरी, 2020 के लिए स्वीकृत निवेदनों की कुल संख्या- 23 (तेईस) है । अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

अब सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक-28 फरवरी, 2020 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।